पटना ● शनिवार, 03 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः203 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

दस्त की होगी रोकथाम अभियान ... 3 www. bordernewsmirror.com छठी मैया की बिटिया में... 8

रिकॉर्ड समय में बना डाला वायनाड में 190 फीट लंबा पुल

2 महिला अफसरों ने किया लीड,लगातार डटे रहे 150 सेना के जवान

वायनाड़ (एजेंसी)। भारतीय सैनिकों ने केरल भूस्खलन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र को जोड़ने के लिए बेली ब्रिज का निर्माण किया। मेटल से बने इस पुल का निर्माण रेकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। कहा जा रहा है कि सेना ने इस पुल को रातभर में बना डाला। भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक केरल राज्य में भारी बारिश के कारण मंगलवार को तड़के वायनाड में भूस्खलन हुआ था। स्थानीय नदी में बढ़ते पानी के कारण बुधवार को एक अस्थायी पुल बह गया। पुल बह जाने के बाद सेना के इंजीनियरों ने निकटतम शहर चूरलमाला से प्रभावित क्षेत्र मुंडक्कई तक भारी उपकरण ले जाने के लिए 190 फुट (58 मीटर) का पुल बनाने के लिए दौड़ लगाई। लगातार तेजी से मेहनत करके रातभर में पुल बना डाला। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुल बनाने का काम बुधवार रात 9 बजे शुरू हुआ और गुरुवार शाम 5.30 बजे पूरा हुआ। अन्य बचाव टीमों के समन्वय में सेना की टुकड़ियां अट्टामाला, मुंडक्कई और चूरलमाला में बचाव कार्य कर रही हैं। प्रवक्ता ए. भारत भूषण बाबू ने बताया कि दो महिला अधिकारियों, मेजर सीता शेल्के और मेजर अनीश ने फ्रंट से लीड करके अस्थायी 190 फुट लंबा बेली पुल का निर्माण कराया।

24 टन वजन सह सकता है पुल

यह पुल 24 टन वजनी वाहनों को सहन कर सकता है, जिससे राहत सामग्री और बचाव दल को पहुंचाने में मदद मिलेगी। सेना ने इस पुल को रिकॉर्ड समय में बनाया है, इस पुल के निर्माण से राहत कार्यों को और गति मिलेगी। भारतीय सेना के जवानों ने अपनी बहादुरी और समर्पण का परिचय देते हुए इस पुल का निर्माण पूरा किया है। उनकी इस उपलब्धि की सराहना की जा रही है।

बेंगलुरु से सड़क मार्ग से आए पुर्जे

वायनाड में सेना के सभी बचाव कार्यों के प्रभारी मेजर जनरल वी टी मैथ्यू ने गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मुलाकात की और उन्हें तथा राज्य मंत्रिमंडल को बचाव कार्यों के बारे में जानकारी दी। विजयन ने पुल को इतनी तेजी से पूरा करने के लिए अधिकारी की सराहना की। मैथ्यू ने मीडिया को बताया कि पुल निर्माण के लिए पुर्जे बेंगलुरु से सड़क मार्ग से लाए गए थे और दिन-रात की कड़ी मेहनत के कारण ही यह इतनी जल्दी पूरा हो पाया। सेना बचाव और राहत अभियान के दूसरे चरण में आगे बढ़ रही है। अफसर ने कहा कि पुल की क्षमता 24 टन है। उन्होंने कहा, इस पुल से सभी जरूरी वाहन गुजर सकते हैं। साथ ही, यह तब तक यहां रहेगा जब तक कि स्थायी पुल नहीं बन जाता। मैथ्यू ने कहा कि इस अभियान में 500 से ज्यादा सैन्यकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने इस पैमाने की तबाही नहीं देखी है और इसलिए यह चुनौतीपूर्ण भी है।

वाह! अरबपति बिजनेसमैन ने खोला खजाना

● **भारत के ओलंपिक मेडल विजेताओं को गिफ्ट करेंगे लग्जरी कार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रतिष्ठित अरबपति उद्योगपति सज्जन जिंदल ने पेरिस ओलंपिक को लेकर बड़ा ऐलान किया है। पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाले प्रत्येक भारतीय एथलीट को वह एक एमजी विंडसर कार गिफ्ट करें। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट लिखते हुए यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा- खुशी हो रही है कि हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अपने समर्पण और सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं। पेरिस ओलंपिक में अभी तक भारत की झोली में तीन मेडल आए हैं। 22 साल की मनु

भाकर ने पहले 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज भारत की झोली में डाला था, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर एक और ब्रॉन्ज दिलाया। इसके बाद तीसरा मेडल स्वप्निल कुसाले ने दिलाया, जो 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में आया। इसका मतलब है कि इन तीनों एथलीटों को यह लग्जरी कार मिलना तय हो गया है। उल्लेखनीय है कि जिंदल की पोस्ट मॉरिस गैरेज इंडिया की ओर से जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सहयोग से अपने नए सीयूवी एमजी विंडसर की घोषणा के बाद आई है। एमजी ने कहा कि कार का डिजाइन विंडसर कैसल (इंग्लैंड के बर्कशायर काउंटी के विंडसर में स्थित शाही किला है) से प्रेरित है। बता दें कि एमजी विंडसर को उत्कृष्ट शिल्प कौशल, उत्कृष्टता और राजशाही का प्रतीक माना जाता है। यूके स्थित कंपनी ने यह भी दावा किया कि वाहन का डिजाइन बहुत ही शानदार है और इसे बनाते समय बेहद सावधानी बरती गई है। जिंदल की पोस्ट कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी।

हिमाचल-उत्तराखंड में 'जल' प्रलय, एमपी में बाढ़

● **भारी बारिश से 'हाहाकार', केदारनाथ में लैंडस्लाइड ● 5 हजार तीर्थयात्री निकाले, हिमाचल में भारी तबाही**

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में 1 अगस्त की रात भारी बारिश, लैंडस्लाइड और बादल फटने के बाद केदारनाथ यात्रा दो दिन के लिए रोक दी गई है। पैदल रूट पर लिनचोली, भीमबली में अलग-अलग जगह फंसे 5 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया। इसके लिए चिनूक और एम-17 समेत 7 हेलीकॉप्टर की भी मदद ली गई। हालांकि, 300 तीर्थयात्री अभी फंसे हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और नैनीताल में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में 48 घंटे के लिए भारी बारिश का अलर्ट है। 1 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में 5 जगह बादल फटने से 53 लोग लापता हो गए। इनमें से 5 के शव बरामद कर दिए गए, जबकि 48 लोग अभी भी लापता हैं। उनकी तलाश में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और होम गार्ड जवान सर्च ऑपरेशन चलाए हुए हैं। शिमला के समेज में रेस्क्यू दल को अब तक कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां लापता 36 लोगों में से एक का भी अब तक सुराग नहीं लग पाया। एक व्यक्ति के शरीर के कुछ अंग जरूर मिले हैं। आसमान से बरसी इस तबाही में एक परिवार के सभी सदस्य लापता हो गए है। फिलहाल प्रशासन ने राहत कार्य आरंभ कर दिया है। आईटीबीपी, स्पेशल होमगार्ड की टुकड़ी भी रेस्क्यू दल समेज कांव में मौजूद हैं और लापता लोगों की तलाश की जा रही है। समेज गांव में बाढ़ आने से 26 मकान बह गए है। सीएम सुक्खू ने कहा कि बीती रात प्रदेश में कई स्थानों पर बादल फटने की दुखद घटना में 50 से अधिक लोग लापता हैं और 2 लोगों के शव रिकवर किए गए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, होम गार्ड और फायर सर्विसेज की टीमें राहत, खोज और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सेना से भी मदद मांगी गई है।

पहले थे चारों तरफ घर,अब सिर्फ मलबा और पत्थर

हिमाचल प्रदेश में पिछले साल की तरह इस बार फिर से बारिश ने तबाही मचाई है। प्रदेश के जिलों में बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही है। शिमला के रामपुर में बादल फटने से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। रामपुर के समेज गांव में बुधवार देर रात बादल फटने से हाहाकार मच गई। बादल फटने से पानी का ऐसा सैलाब आया कि पूरे गांव का नामोनिशान मिट गया है। कई लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। अब यहां चारों तरफ सिर्फ मलबा और पत्थर ही दिख रहा हैं। सोशल मीडिया पर समेज गांव की नई और पुरानी तस्वीर भी वायरल हो रही है। इस तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि जहां पहले इस गांव में काफी घर थे, अब सिर्फ मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मौजूद है। बुधवार देर रात करीब 12 बजकर 50 मिनट पर श्रीखंड पीक पर बादल फटा। बादल फटने से सैलाब आ गया।

अब सीबीआई करेगी दिल्ली कोचिंग हादसे की जांच

दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस की नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन बच्चों की मौत का मामला अभी शांत नहीं पड़ा है। दिल्ली हाई कोर्ट में इस मामले को लेकर शुक्रवार को भी सुनवाई हुई है। एक तरफ कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई ने नाखुश होकर सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं तो वहीं दूसरीतरफ दिल्ली पुलिस, दिल्ली सरकार और एमसीडी को कोर्ट के गुस्से का सामना करना पड़ा है। आलम यह है कि कोर्ट को कहना पड़ा है कि सिर्फ आदेश पारित हो रहा है, उस पर अमल कोई नहीं कर रहा। एमसीडी को फटकार लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि हम तो बस आदेश पारित करते हैं, लेकिन आप लोग उस पर अमल तक नहीं करते। एक आदेश ऐसा नहीं है जिसका पालन हुआ हो। आपके विभाग में तो कानून का कोई सम्मान ही नहीं है। आपको एक ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जहां पर लोग आएं और आपको फीडबैक दें। अब कोर्ट ने एमसीडी को तो फटकार लगाई ही, इसके साथ-साथ उन अधिकारियों को भी नहीं बख्शा जो ओल्ड राजेंद्र नगर में मौजूद थे। कोर्ट ने दो टूक कहा कि जिन अधिकारियों को सुपरविजन करने को कहा गया है, वो अपने ऑफिस से बाहर नहीं तक झाकते। अगर किसी नाले की मरम्मत हो भी रही थी, कुछ तो करना चाहिए था।

एयर इंडिया ने इजरायल जाने वाली उड़ानों पर लगाई रोक

मिडिल-ईस्ट में भारी तनाव की वजह से कंपनी ने लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल समेत मिडिल-ईस्ट के देशों में तनाव को देखते हुए एयर इंडिया ने 8 अगस्त तक के लिए तेल अवीव जाने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है। ईरान की राजधानी तेहरान में हाल ही में हमास के एक बड़े नेता की हत्या के बाद मध्य-पूर्व के देशों में तनाव के हालात बन गये हैं। ईरान का आरोप है कि इस हत्या में इजरायल का हाथ है। उसने इसका बदला लेने का ऐलान किया है। इसकी वजह से ईरान से लेकर इजरायल तक और मध्य-पूर्व के अन्य देशों में जंग की स्थिति बन गई है। हमास चीफ इस्माइल हानिया ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलने और ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कयान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान आए हुए थे। वहां वह जिस इमारत में ठहरे हुए थे, उस पर हवाई हमला करके उसे उड़ा दिया गया। घटना में उनका एक सुरक्षा गार्ड भी मारा गया था।

अब ईडी का यूपी के जौनपुर सपा सांसद पर बड़ा ऐक्शन

● **बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की जमीन एजेंसी ने की जब्त**

लखनऊ (एजेंसी)। ईडी ने जौनपुर से सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में कानपुर रोड पर स्थित कुशवाहा की करोड़ों रुपये की जीमन जब्त की है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है।

समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की जमीन कानपुर रोड स्थित स्कूटर इंडिया के सामने स्थित है। ईडी की टीम अवैध निर्माण को तोड़ने के लिए बुलडोजर भी साथ ले गई है। बसपा सरकार में हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल तत्कालीन मंत्री और समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की लखनऊ में स्थित बेशकीमती जमीन को प्रवर्तन निदेशालय ने जब्त कर लिया है। संबंधित भूमि पर हिंदी अखबार की प्रिंटिंग मशीन लगी है।

दिल्ली के सरकारी शेल्टर होम में 14 बच्चों की मौत

मचा हड़कंप तो केजरीवाल सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के रोहिणी में दिल्ली सरकार के शेल्टर होम आशा किरण में रहने वाले मानसिक रूप से बीमार 14 लोगों की मौतें होने की बात सामने आई है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल सरकार ने पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देते हुए 48 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के रोहिणी स्थित सरकारी शेल्टर होम आशा किरण में जनवरी 2024 से अब तक हुई 14 मौतों से संबंधित मामले में दिल्ली की मंत्री आतिशी ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) को तत्काल पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफारिश करने का भी निर्देश दिया है, जिनकी लापरवाही के कारण ये मौतें हुई हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सुझावात्मक उपाय सुझाने के भी निर्देश दिए हैं। आतिशी ने कहा कि राजधानी दिल्ली में ऐसी बुरी खबर सुनना बहुत चौंकाने वाला है और अगर यह सच पाया जाता है तो हम इस तरह की चूक बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है और इसकी गहन जांच की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, एक सरकारी अधिकारी ने बताया, जनवरी में तीन, फरवरी में दो, मार्च में एक, अप्रैल में तीन और मई में शून्य मौतें हुई थीं। हालांकि, जून और जुलाई में संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मरने वाले अधिकांश लोगों की उम्र 20 से 30 साल के बीच थी और मौत का कारण फेफड़ों में इन्फेक्शन, टीबी और निमोनिया सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं बताया गया है। बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में दो शवों का पोस्टमॉर्टम होना बाकी है।

वायनाड लैंडस्लाइड के चौथे दिन सेना ने 4 लोगों को जिंदा निकाला

फोन की लास्ट लोकेशन से लाशें ढूंढ़ी जा रहीं, अब तक 318 मौतें, 206 लापता

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 29-30 जुलाई की रात 2 बजे से 4 बजे के बीच लैंडस्लाइड की 4 घटनाएं हुई थीं। चार गांव बह गए थे। हादसे के चौथे दिन सेना ने 4 लोगों को जिंदा निकाला। इनमें दो महिला और पुरुष हैं। चारों एक ही परिवार के हैं। ये पदावेट्टी कुन्नू में फंसे हुए थे। हादसे में अब तक मरने वालों की संख्या 313 हो गई है। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि हादसे के चार दिन बाद भी 206 लोग लापता हैं। सेना अब मोबाइल के लास्ट लोकेशन के हिसाब से लोगों को ढूंढ़ने का काम कर रही है। आर्मी के जनरल ऑफीसर कमांडिग मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने कहा कि मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। अब केवल डेडबॉडी ढूंढी जा रही हैं। मौसम विभाग ने 2 अगस्त को वायनाड में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, राहुल गांधी ने वायनाड लैंडस्लाइड का मुद्दा दिल्ली में उठाने की बात कही है।

मेरे खिलाफ ईडी रेड की प्लानिंग, इंतजार करूंगा

● **राहुल बोले-चाय-बिस्किट मेरी तरफ से, दावा- संसद में चक्रव्यूह वाले भाषण से सरकार नाराज**

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके खिलाफ एनफोर्समेंट डायरेक्टरोट (ईडी) रेड की प्लानिंग हो रही। राहुल ने गुरुवार देर रात 1.52 बजे एक्स पर की गई एक पोस्ट में यह दावा किया। उन्होंने लिखा- टू-इन-1 को मेरा चक्रव्यूह भाषण पसंद नहीं आया। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया कि मेरे खिलाफ रेड की योजना बनाई जा रही है। मैं ईडी अधिकारियों का बाहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्किट मेरी तरफ से। राहुल ने 29 जुलाई को संसद सत्र के दौरान बजट 2024-25 पर लोकसभा में भाषण दिया था। इसी दौरान उन्होंने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की। उन्होंने कहा कि छह लोगों का एक ग्रुप पूरे देश को चक्रव्यूह में फंसा रहा है। ये 6 लोग- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोभाल, अडाणी और अंबानी हैं। राहुल ने कहा था- हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार दो बीएसएपी जवान को मारी टक्कर, एक की मौत दूसरा घायल

पटना, एजेंसी। इस वक्त की बड़ी खबर पटना से आ रही है. जहां जमालपुर से पटना जा रहे स्कूटी सवार दो बीएसएपी के जवान को पटना- बख्तियारपुर फोर लेन पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया. जिससे एक जवान की मौत हो गई वहीं दूसरा घायल बताया जा रहा है.

बता दें कि दोनो बीएसएपी जवान पटना वेटनरी कॉलेज ड्यूटी करने जा रहे थे. इसी क्रम में अज्ञात वाहन के टक्कर से एक जवान की मृत्यु हो गई. मृतक राज कुमार क्षेत्री और घायल दीपक प्रधान दोनों बिहार सिक्योरिटी आर्म्स पुलिस के जवान हैं. घायल दीपक प्रधान को फतुहा से पटना रेफर कर दिया गया है. जहां चिकित्सकों द्वारा उनकी इलाज जारी है.

जयपुर में शादी की तैयारी कर रही पूजा की उठेगी अर्थी, घर में पानी घुसा तो छटपटाकर रह गया बिहार का परिवार

गया, एजेंसी। जयपुर में भी दिल्ली कोचिंग जैसा हादसा हुआ है. पिछले दिनों दिल्ली में बारिश का पानी यूपीएसई की तैयारी करवाने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में घुसा था जिससे बिहार की एक छात्रा समेत तीन विद्यार्थियों की मौत डूबने से हो गयी थी. अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी ऐसा ही कुछ हादसा हो गया. बारिश का पानी एक मकान के बेसमेंट में घुस गया और बिहार का एक परिवार इस

पानी में घिर गया. परिवार के कुछ सदस्य जान बचाकर बाहर निकल पाए लेकिन कुछ लोगों की मौत पानी में डूबने से हो गयी. इनमें एक नाबालिग बच्ची तो एक युवती शामिल है. भोजपुर निवासी इस परिवार की सदस्य पूजा की शादी तय हो चुकी थी. लेकिन हादसे में उसकी जान चली गयी. हादसे में बिहार के कुल तीन लोगों की मौत हुई है.

जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में बारिश का पानी जमा हो गया. गुरुवार को थाना अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया के ध्वजनगर के वार्ड नंबर पांच में एक मकान में भी पानी घुसा. वो मकान बिहार के भोजपुर जिला के बिहिया थाना क्षेत्र के संडौर गांव निवासी अशोक कुमार सैनी का था. जो यहां जॉब करते थे और यहीं मकान बनाकर अपने परिवार के साथ रह रहे थे. इस परिवार के कमल साह (23 वर्ष), पूजा सैनी (19 वर्ष) और उसकी रिश्तेदार पूर्वी सैनी (6 वर्ष) का शव बरामद किया गया है.

मिली जानकारी के अनुसार, अशोक सैनी का मकान जयपुर के सबसे निचले क्षेत्र में आता है. जब यहां भारी बारिश हुई तो जलजमाव हो गया. इस दौरान बेसमेंट की दीवार टूट गयी और बारिश का पानी काफी तेज दबाव के साथ अंदर घुस गया. बेसमेंट में ही अशोक सैनी अपनी पत्नी, चार बेटे और इकलौती बेटी पूजा के साथ रहते थे. दरअसल, मकान के ऊपरी तल्ले पर उन्होंने किराया लगा रखा है. लेकिन बारिश का पानी जब अंदर घुसा तो सभी लोग जान बचाने बाहर भागने लगे. कुछ लोग सुरक्षित निकल गए जबकि तीन लोग अंदर ही फंसे रह गए और अधिक पानी प्रवेश कर जाने से तीनों डूब गए जिससे तीनों की मौत हो गयी.

अशोक सैनी के घर में कोहराम मचा है. यह परिवार अब अपनी इकलौती बेटी पूजा की शादी की तैयारी में जुटा था. गांव वालों ने बताया कि पूजा की शादी शाहपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया के रहने वाले संतोष कुमार से तय हो चुकी थी. पूरा परिवार खुश था. पूजा भी अब अपनी नयी दुनिया बसाने का ख्वाब देख रही थी और इसकी तैयारी में लगी थी. फरवरी में उसकी शादी होने वाली थी. लेकिन होनी को कुछ और मंजूर था. हादसे में पूजा की भी मौत हो गयी. जहां डोली उठने वाली थी वहां अब अर्थी उठेगी.

एससी-एसटी आरक्षण के वर्गीकरण का तेजस्वी ने किया विरोध

जदयू और केंद्र सरकार पर बोला हमला

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद अनुसूचित जाति एवं जनजाति आरक्षण के वर्गीकरण और उसमें क्रीमी लेयर का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आज भी दलितों के साथ न्याय नहीं हो रहा है। छुआछूत जैसी महामारी को बांटने के लिए यह कानून बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि दलित आदिवासी में क्रीमी लेयर का मामला हो ही नहीं सकता है। इसके साथ ही उन्होंने आरक्षण संशोधन को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने और बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। भाजपा और जदयू आरक्षण विरोधी है।

नेता प्रतिपक्ष शुक्रवार को पटना में प्रेस प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। इस दौरान एनडीए की सरकार पर तेजस्वी यादव ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस वक्त राज्य में महागठबंधन की सरकार थी। उस वक्त आरक्षण के दायरे को

बढ़ाया गया और इसकी सीमा 65त्न तक की गई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसके बाद राज्य मंत्री परिषद के सहमति से आरक्षण संशोधन को नवमी अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया, लेकिन गुरुवार को मनोज झा द्वारा राज्यसभा में उठाए गए एक प्रश्न में सरकार ने इसे अपना पल्ला झाड़ा और झूठ कहा कि संविधान की नौवीं अनुसूची का मामला राज्य सरकार का है केंद्र कहा केंद्र सरकार सालासर झूठ बोल रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे इस मसले पर मौन नहीं रहेंगे। आरक्षण संशोधन को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में कंपटीशन दायर करेंगे। साथ ही जनता के बीच भी जाएंगे। तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट के गुरुवार के फैसले से असहमति जतायी और कहा कि हम लोग इसके पक्ष में नहीं हैं। आर्थिक समानता दिलानी हैं तो सबको नौकरी दे।

बिहार में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का नया कानून फिलहाल लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटना हाई कोर्ट के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के कानून को रद कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के इनकार का मतलब यह हुआ है कि बिहार में होने वाली भर्तियों में फिलहाल नया आरक्षण कानून लागू नहीं होगा।

पप्पू यादव ने संसद में किया अपनी बेटी का जिक्र

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की सबसे अनोखी मांग

पूर्णिया, एजेंसी। सांसद पप्पू यादव ने केन्द्रीय बजट 2024-25 के संदर्भ में रेल मंत्रालय के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। सदन के माध्यम से रेल मंत्री अश्विन वैष्णव के समक्ष रेल सुरक्षा, कर्मचारियों की नियुक्ति, ट्रेन सेवाओं की बहाली और कई नई रेल परियोजनाओं के प्रस्ताव पेश किए।

पप्पू यादव ने रेल मंत्री का ध्यानाकर्षण करते हुए कहा कि वर्तमान में 12 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन पिछले 10 सालों से 5 हजार कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। ग्रुप ए, बी और सी में हजारों पद खाली हैं, जिससे रेलवे संचालन और सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने ग्रुप सी और डी के पदों पर त्वरित नियुक्ति का आग्रह किया।

इसके अलावा, पप्पू यादव ने मधेपुरा, सहरसा और बनमनखी के बीच डीआरएम जोनल ऑफिस खोलने और पूर्णिया में कोच फैक्ट्री स्थापित करने की भी मांग की। सांसद ने कोरोना काल में बंद हुई महत्वपूर्ण ट्रेन सेवाओं, जैसे हमसफर एक्सप्रेस को पुनः शुरू करने की मांग की। सहरसा और सीमांचल के बच्चों के लिए अलीगढ़ जैसी जगहों पर पढ़ाई के लिए यह ट्रेन महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बुजुर्गों और पत्रकारों को रेलवे भाड़े में मिलने वाली 50 प्रतिशत रियायत को पुनः शुरू करने की अपील की, जिसे 4 साल पहले बंद कर दिया गया था। नेशनल स्तर पर स्पोर्ट्स खेलने वाली अपनी बेटी का जिक्र करते हुए जेनरल डब्बों में होने वाली परेशानी को भी दूर करने का आग्रह किया। उन्होंने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा, बाथरूम की साफ-सफाई और किचन की व्यवस्था पर जोर देते हुए लोकल ट्रेनों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। सांसद ने पूर्णिया, कोसी, सीमांचल और मिथिलांचल से बाहर जाने वाले मजदूरों के लिए जनरल डिब्बों की संख्या बढ़ाने की मांग की, ताकि वे बेहतर यात्रा कर सकें।

उन्होंने परीक्षा देने वाले बच्चों को 75 प्रतिशत रियायत दर पर टिकट देने का आग्रह किया, ताकि वे अपनी शिक्षा में बिना आर्थिक बाधाओं के आगे बढ़ सकें। कई नई रेल लाइनों और परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें कुरसेला से सहरसा, सहरसा से वैशाली तक रेल सेवा, नवगछिया से नेपाल बॉर्डर तक रेलमार्ग, सुल्तानगंज से देवघर तक रेलमार्ग और मनिहारी से कटिहार-पूर्णिया के बीच पुल की मांग शामिल है।

फेमस टीचर के नाम पर कोचिंग में एडमिशन ना लें, सुपर-30 वाले आनंद कुमार का छात्रों को संदेश

पटना, एजेंसी। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुए हादसे पर अब सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। आनंद कुमार ने हादसे पर दुख जाहिर किया और इशारों ही इशारों में फेमस शिक्षकों को टारगेट पर भी लिया। आनंद कुमार ने कहा कि ऐसी घटना पर बड़े नाम वाले शिक्षकों को आगे आकर बोलना चाहिए, क्योंकि यह उनका कर्तव्य है।

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए आनंद कुमार ने कोचिंग सेंटर बेसमेंट हादसे पर स्पष्ट रूप से कहा, ÷हर किसी को अपनी गलतियों को स्वीकार करना सीखना चाहिए और उन्हें सुधारने का प्रयास करना चाहिए÷। आनंद कुमार ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि हर शिक्षक को ऐसी घटना पर बोलना चाहिए और अब भी इस मुद्दे पर बात करनी चाहिए। जब ??आपने मुझे आकर बोलने के लिए कहा, तो बोलना मेरा कर्तव्य था। उन्होंने आगे कहा, ÷मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मैं यह बात सभी से कहना चाहता हूं कि अगर

आपने गलतियां की हैं तो उन्हें सुधारने का प्रयास करें। अपनी गलती स्वीकार न करना उचित नहीं है। गलती तो किसी से भी हो सकती है, लेकिन अपनी गलतियों को सुधारना चाहिए और कानून के मुताबिक काम करना चाहिए÷।

सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार ने सेल्फ-स्टडी के महत्व पर भी खासा जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को प्रसिद्ध शिक्षकों के नाम पर एडमिशन लेने के बजाय सेल्फ-स्टडी पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, ÷मैं छात्रों को यह संदेश देना चाहता हूं कि कृपया किसी भी कोचिंग संस्थान में सावधानी से प्रवेश लें। यह जरूरी नहीं है कि जो शिक्षक प्रसिद्ध हैं, वे ही अच्छा पढ़ाते हैं, इसलिए शिक्षक के नाम या परिणाम पर ध्यान केंद्रित न करें। उनके स्टडी मटेरियल की जांच करें। जांचें कि कौन-सा शिक्षक आपको चीजों को बेहतर ढंग से समझा सकता है। उन शिक्षकों का चयन करें जिनके साथ आप बेहतर तरीके से जुड़ सकते हैं।

12 वर्ष तक के बच्चों का बनवाना हो आधार तो घर आएंगे डाकिया, 50 रुपये लगेगा शुल्क

पटना, एजेंसी। नवजात से लेकर 12 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड घर पर ही बनवाए जा सकेंगे। हर आयुवर्ग के लोगों के आधार की त्रुटियां भी ठीक कराई जा सकेंगी। यह सुविधा डाक विभाग की ओर से 50 रुपये शुल्क के साथ

मिलेगी। फिलहाल, चिह्नित किए गए डाकघरों में ही आधार बनाने से लेकर त्रुटियों में सुधार की सुविधा है।

लोगों के हित में इसी सुविधा को घर के दरवाजे तक विस्तारित कर दिया गया है। आप निर्धारित शुल्क देकर डाकिये को घर पर ही बुलवा सकते हैं। डाक विभाग ने हर डाकिये को आधार निर्माण व सुधार के लिए मशीन उपलब्ध करा दी है। उन्हें सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) आईडी भी दी गई है।

बिहार सर्किल के मुख्य डाक महा अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि बिहार में 535 आधार सेंटर हैं। इसके अतिरिक्त स्टैटिक सेंटर कार्य कर रहे हैं। मोबाइल सेंटर भी संचालित हो रहे हैं। मोबाइल सेंटर के माध्यम से अपार्टमेंट, स्कूल या किसी अन्य जगहों पर आधार बनवाने के लिए कैंप लगवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि उस कैंप में किसी भी व्यक्ति के आधार में किसी प्रकार की त्रुटि को सुधरवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से भी आधार में किसी प्रकार की त्रुटि का सुधार करा सकते हैं।

बिहार में छठवीं से नौवीं तक के छात्रों को हर माह मिलेगी 5 सौ रुपए छात्रवृति, डाक विभाग दे रहा मौका

पटना, एजेंसी। बिहार में छठवीं से नौवीं तक के छात्र ङ्क छात्राओं के लिए हर माह छात्रवृति पाने का बढ़िया मौका है. डाक विभाग की दीन दयाल स्पर्श योजना के तहत छात्रों को हर माह छात्रवृति के रूप पांच सौ रुपए दिए जाएंगे. इस योजना में कक्षा छठवीं से लगाकर नौवीं तक की सभी छात्र छात्रायें पात्र होंगी. डाक विभाग की तरफ से इसके लिए मेधा परीक्षा का आयोजन कराया जाएगा. इस परीक्षा को पास करने वाले छात्रों को एक साल तक प्रतिमाह पांच सौ रुपए छात्रवृति के रूप में दिए जायेंगे.जिससे बच्चों को अपनी पढ़ाई के दौरान आने वाली आर्थिक समस्याओं का सामना करने में सहूलियत मिलेगी.

डाक विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में सभी स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं.साथ ही साथ यह भी बताया कि इस परीक्षा में सरकारी स्कूलों के साथ साथ निजी स्कूलों के छात्र भी शामिल हो सकते हैं. डाक विभाग की दीन दयाल स्पर्श योजना में छठवीं से नौवीं कक्षा तक के मेधावी छात्र ङ्क छात्राओं को छात्रवृति

दी जाएगी. इस योजना में भाग लेने के लिए इच्छुक छात्र छात्राओं को एक फार्म भरना होगा. फार्म भरने की अंतिम तिथि 9 सितंबर है. यह फार्म अपने जिले के या नजदीकी प्रधान डाकघर से प्राप्त कर सकते हैं.फार्म भरने के बाद 30 सितंबर को दीन दयाल स्पर्श योजना में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई जाएगी.

बापू टावर बन कर तैयार, महात्मा गांधी को एक स्मारकीय श्रद्धांजलि

पटना, एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए बिहार के पटना शहर के बीचों-बीच एक नया स्मारक बनकर तैयार है. गर्दनीबाग में स्थित बापू टॉवर गांधी को समर्पित देश में अपनी तरह का पहला टॉवर है, जो बिहार के स्थापत्य और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा. बापू टॉवर की निर्माण लागत 129 करोड़ रुपये है, जो महात्मा गांधी की विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण निवेश है.

सात एकड़ में फैले इस टॉवर में विभिन्न गैलरी, शोध केंद्र, विशिष्ट अतिथियों के लिए लाउंज और प्रशासनिक कार्यालय शामिल हैं, जो इसे एक व्यापक शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्र बनाते हैं. 120 फीट की ऊंचाई पर बना और छह मंजिलों वाला बापू टॉवर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट है. यह टॉवर न केवल एक वास्तुशिल्प चमत्कार है, बल्कि गांधी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और शांति, अहिंसा और सद्भाव के उनके सार्वभौमिक सिद्धांतों के बारे में जानने और चिंतन करने का केंद्र भी है.

इतिहास के माध्यम से गांधी की एक विसर्जित यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन की गई संरचना में गोलाकार और आयताकार दोनों इमारतें शामिल हैं, जो पर्यटकों को बापू के जीवन

और विरासत के एक आकर्षक आख्यान के माध्यम से मार्गदर्शन करती हैं. बापू टॉवर आगंतुकों को ग्राउंड फ्लोर पर टर्नटेबल थिएटर शो के साथ एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है, जहाँ गांधी की जीवनी जीवंत हो जाती है.

टावर के अंदर गांधीजी और बिहार के इतिहास से जुड़ी एक प्रदर्शनी लगाई गई है, जिस पर करीब 45 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं. इसमें अहमदाबाद की एक फैक्ट्री में बारीकी से तैयार की गई मूर्तियां और कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जो आगंतुकों के अनुभव को गहराई और प्रामाणिकता प्रदान करती हैं. इसके अतिरिक्त, टॉवर के निर्माण में हरित प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, जो पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास के उच्च मानकों को दर्शाता है. बापू टॉवर की एक खासियत इसकी बाहरी तांबे की परत है, जिसका वजन 42 हजार किलोग्राम है, जो गोलाकार इमारत की बाहरी दीवार को सुशोभित करती है. ऑक्सीजन और नाइट्रोजन की प्रतिक्रिया के कारण यह तांबे का मुखौटा इंद्रधनुषी रंगों में एक सुंदर परिवर्तन से गुजरता है, जो टॉवर के सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाता है. 2 अक्टूबर, 2018 को शुरू हुए बापू टॉवर के निर्माण में इसके आरंभिक लक्ष्य से कई बार विस्तार किया गया है. अब यह टावर बन कर तैयार हो चुका है. निश्चित रूप से यह आनेवाले दिनों में गांधीवादी सिद्धांतों का प्रतीक और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा.

तैयार रखिए अपनी जमीन के दस्तावेज, 16 अगस्त शुरू हो रहा आपके जिले में सर्वे का काम

पटना, एजेंसी। बिहार में नये सिरे ये जमीन का सर्वे होना है. पटना जिले में जमीन सर्वे का काम 16 अगस्त से, तो वैशाली जिले में 18 अगस्त से सर्वे का काम शुरू होगा. इन जिलों में सर्वे को लेकर ग्राम सभा की बैठक कर लोगों को जानकारी दी जायेगी. पटना जिले में जमीन सर्वे के लिए सभी 23 अंचल कार्यालयों में शिविर लगेगा, जहां रैयत पहुंच कर अपनी-अपनी जमीन के कागजात जमा करेंगे. सर्वे के लिए जिले में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत 396 अभ्यर्थियों को नियोजन पत्र दिया. इनमें 280 विशेष सर्वेक्षण अमीन योगदान दे चुके हैं. 18 विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 36 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 37 विशेष सर्वेक्षण लिपिकों को नियोजन पत्र मिला है. इनके द्वारा योगदान दिया जा रहा है. सूत्र ने बताया कि अमीनों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है. अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. जिले में नगर निकाय सहित मिला कर 1369 राजस्व गांव हैं. जमीन सर्वे के लिए सभी 23 अंचल कार्यालयों में शिविर लगाने की तैयारी की जा रही है.

हाजीपुर के विशेष भू-सर्वेक्षण व बंदोबस्त कार्य की प्रशासनिक उद्घोषणा के साथ ही वैशाली जिले के 1508 राजस्व गांवों में भू-सर्वेक्षण को लेकर जिला प्रशासन और जिला बंदोबस्त कार्यालय पूरी तैयारी में जुट चुका है. प्रत्येक राजस्व गांव के सर्वेक्षण का उद्देश्य भूमि विवाद को कम करना और डाटा को अपडेट करना है. वैशाली जिले में 16 प्रखंड, 278 पंचायत और 1508 राजस्व गांव हैं. बंदोबस्त कार्यालय सभी 1508 राजस्व गांव का सर्वेक्षण और बंदोबस्त करायेगा. पहले छोटे गांव से शुरुआत होगी. फिर धीरे-धीरे सभी गांवों की बंदोबस्ती शुरू हो जायेगी. बंदोबस्त विभाग प्रत्येक पंचायत स्तर पर

शिविर का आयोजन करेगा. उस शिविर में भू-धारियों को पहुंच कर जमीन संबंधित आवश्यक कागजात दिखाने होंगे.

इसकी सूचना पहले से सभी अंचलों को दी जायेगी, ताकि वे अपने स्तर से क्षेत्र में इसे लेकर लोगों को जागरूक कर सकें. इस दिशा में सभी प्रखंड को कार्ययोजना के संबंध में रिपोर्ट देने को कहा गया है. इस कार्य के लिए प्रत्येक अंचलों में एक-एक विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्त शिविर लगाया जायेगा. सभी शिविरों में एक विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दो विशेष सर्वेक्षण कानूनगो और दो लिपिक रहेंगे. वैशाली के लिए 15 विशेष सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 26 कानूनगो, 297 अमीन और 28 लिपिक मिले हैं, जो इस काम को पूरा करेंगे.

विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्त का मुख्य उद्देश्य आधुनिक प्रौद्योगिकी की सहायता से डिजिटाइज्ड ऑनलाइन अधिकार, अभिलेखों एवं मानचित्रों का संधारण, संरक्षण एवं अपडेशन की प्रक्रिया की निरंतरता को बनाये रखना है. इसके बाद बंदोबस्त प्रक्रिया अंतर्गत भूमि की प्रकृति एवं उपयोग के अनुसार रैयतवार लगान निर्धारण करना है. इस सर्वेक्षण और बंदोबस्ती से भूमि विवाद की समस्या समाप्त हो जायेगा. शिविर में भू-धारियों को जमाबंदी संख्या का ब्यौरा, मालगुजारी रसीद की कापी, खतियान का नकल (अगर उपलब्ध हो तो), दावाकृत भूमि से संबंधित दस्तावेज का ब्यौरा व आधार कार्ड की कॉपी के साथ शिविर में उपस्थित होना पड़ेगा.

गुरुवार को बंदोबस्त पदाधिकारी के हस्ताक्षर से वैशाली के सभी 1508 गांव के लिए गांव में सर्वेक्षण के लिए उद्घोषणा जारी की गयी. इसमें सभी भू धारियों/-लोक तथा सरकारी भूमि के अभिरक्षक सहित भूमि के हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया गया है कि बंदोबस्त पदाधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त कोई व्यक्ति ग्राम की सीमा या इसके भूखंडों की सीमांकन या पहचान के लिए भूखंडों में प्रवेश कर सकते हैं. ग्रामीणों को निर्देश दिया गया है कि सर्वेक्षण के उद्देश्य से भूखंडों की पैमाइश, जांच-पड़ताल करने तथा पेडों, जंगलों, खड़ी फसलों या ऐसी अन्य बाधाओं, जैसा की आवश्यक हो, को हटाने या काटने में उन्हें सहयोग करें एवं उन्हें उनके कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने दें.

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

दस्त की होगी रोकथाम अभियान चलाकर लोगों को किया जा रहा है जागरूक

- दूषित जल पीने से होता है "डायरिया", साफ़-सफाई है जरूरी
- 22 सितंबर तक है अभियान, होंगे जागरूकता के कार्यक्रम

- सदर अस्पताल से सिविल सर्जन व एसीएमओ ने प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है- एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान

बीएनएम। मोतिहारी

दस्त से होने वाले शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन चल रहा है। इसी क्रम में सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा कार्यक्रम जिले में 22 सितंबर तक चलाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने रूट चार्ट के अनुसार सभी प्रखंडों में रथ द्वारा जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया है। इस दौरान आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा 02 से 06 वर्ष तक के उम्र के बच्चों के बीच निःशुल्क ओआरएस का वितरण किया जाएगा। दस्त से ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए जिंक टेबलेट दिया जाएगा। इस दौरान माताओं को डायरिया नियंत्रण संबंधी जानकारी दी जाएगी।

शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से धोना है जरूरीः- एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। राज्य में प्रति वर्ष लगभग 27 लाख बच्चे डायरिया से पीड़ित होते हैं, जिनमें से कईयों की जान चली जाती है। एसीएमओ डॉ. पासवान ने बताया कि डायरिया का ससमय पहचान एवं उपचार आवश्यक है। डायरिया सामान्यतः जीवाणु या विषाणु के कारण होता है। यह बीमारी गंदे हाथों से भोजन, दूषित पानी या खाद्य पदार्थों के सेवन से फैलता है। डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए हमें खुले में शौच से परहेज एवं शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना आवश्यक है। वहीं डीसीएम नंदन झा ने कहा कि डायरिया पर नियंत्रण के लिए 6 माह तक शिशु को केवल स्तनपान, पर्याप्त पूरक आहार और विटामिन-ए देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे को डायरिया हो जाए तो 14 दिनों तक जिंक-ओआरएस का प्रयोग असरकारी होता है। सदर अस्पताल में डायरिया के उपचार की विशेष व्यवस्था है। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, पीएसआई और यूनिसेफ़ के जिला प्रतिनिधि व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जनता के दरबार में 65 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 65 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इस जनता के दरबार कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश अपर समाहर्ता के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह-विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोज़र

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर शुक्रवार को शहर के मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण मुक्ति अभियान के तहत नगर निगम द्वारा जानपुल से मीना बाजार (नाका नंबर एक) तक सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चलाया गया। अतिक्रमणकारियों से 19,700 रुपए की राशि जुर्माने के तौर पर वसूल की गई साथ ही साथ सड़क पर बने कच्चे-पक्के संरचनाओं को हटाया भी गया। इस चलाए गए अतिक्रमण मुक्ति अभियान का अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्रेष्ठ अनुपम एवं एएसपी शिखर चौधरी के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी तरुण कुमार को आवश्यक निर्देश दिए गए और कहा गया कि ये अभियान लगातार तीन महीने तक जारी रहेगा।

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुई फर्जीवाड़े व भ्रष्टाचार का मुद्दा सदन में उठा

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियुक्ति में हुई फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार का मुद्दा पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय के नियंत्राधीन अनुदान के मांगों पर हो रही चर्चा के दौरान उठाया। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियुक्ति में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुई है। वर्ष 2017 और 2019 में हुई नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। यूजीसी के नियम भारत सरकार के कैडर रिक्रूटमेंट रूल समेत कई नियमों को धता बताकर नियुक्ति हुई है, जो जाँच कराने पर सामने आ जायेगा। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति दोषियों पर कारवाई करने के बजाय उनको संरक्षण दे रहे हैं। लोकसभा में सांसद यादव ने इसकी उच्च स्तरीय जाँच की माँग शिक्षा मंत्री से किया। उक्त आशय की जानकारी छात्र नेता आकाश सिंह राठौर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया है।

एलएनडी कॉलेज में एक विद्यार्थी एक वृक्ष कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एलएनडी महाविद्यालय इकाई द्वारा एक विद्यार्थी एक वृक्ष कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। इस अवसर पर उत्तर बिहार प्रांत के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, उत्तर बिहार प्रांत के संगठन मंत्री धीरज कुमार, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा तथा पर्यावरण कार्यकर्ता केशव कृष्णा मौजूद थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के इस कार्यक्रम का ध्येय एक ऐसी धरा का निर्माण करना है जो मानव जीवन को एक बेहतर और स्वच्छ परिवेश दे सके। प्रो. सिन्हा ने कहा कि हम वैश्वीकरण के इस दौर में पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित हैं किन्तु हमें अपनी संस्कृति से, अपनी जड़ों से कटना नहीं है, क्योंकि भारतीय संस्कृति के अनुकूल जीवन शैली अपनाने से ही हम बेहतर प्रकृति का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभाविप के उत्तर बिहार के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ.अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि समाज व देश के साथ-साथ विश्व की समस्याओं के समाधान की दिशा में सोचना ही अभाविप का संगठनात्मक उद्देश्य हैं। आने वाले समय में हमारी अगली पीढ़ी पुनः बहती हुई नदियाँ, बढ़ा हुआ भूजल स्तर देखे इस दिशा में अभाविप का प्रकल्प एसएफडी संघर्षरत और प्रयासरत है। प्राचीनता और भारतीय संस्कृति यह कहती है कि सभ्ताएँ नदियों के किनारे बसती हैं। इसीलिए नदियों का संरक्षण आवश्यक है न केवल मानवजाति के बेहतर जीवन के लिए बल्कि सृष्टि के हरेक जीवों के संरक्षण के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है और इस दिशा में एसएफडी संकल्पित है। इस अवसर पर उपस्थित उत्तर बिहार प्रांत संगठन मंत्री धीरज कु ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के हरेक क्षेत्र में पुनर्जागरण करने वाला संगठन अभाविप है। हमें अपने समाज की संकल्पना स्वयं बनानी होगी। हम इतिहास पढ़े लेकिन इतिहास में जीएं नहीं। आत्मबोध से राष्ट्रबोध की ओर सोचने की आवश्यकता है और यह संकल्पना तभी साकार होगा जब उसमें प्रकृति की रक्षा का भाव समाहित होगा। महिलाओं के व्यक्तित्व को संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित करते हुए उन्होंने कहा कि तुम अबला नहीं, तुम फूल नहीं तुम भारत की रानी हो। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अर्पित श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि हम युवाओं को पर्यावरण के संरक्षण के लिए विशेष तौर पर अभियान चलाने की आवश्यकता है। हमें पुराने वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रयास करना है और नये वृक्ष लगाने के प्रति दृढ़ता के साथ आगे बढ़ना है, क्योंकि हमारा आने वाला कल बेहतर हो इसके लिए हमें आज से ही प्रयास करना चाहिए। महाविद्यालय इकाई की अध्यक्ष सान्या कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा यह इकाई एक विद्यार्थी एक वृक्ष अभियान को गाँव-गाँव तक ले जाएगा, क्योंकि जब तक हम विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ अपने गाँव को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं करेंगे तब तक अभाविप का ध्येय पूर्ण नहीं होगा। पर्यावरण कार्यकर्ता केशव कृष्णा ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि हम अपने जन्मदिन पर केक काटने के बदले एक वृक्ष लगाने का संकल्प लें। हम अपने घर और जीवन के प्रत्येक उत्सव पर एक वृक्ष लगाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय इकाई के मंत्री अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष पीयूष कुमार, शशांक कुमार, प्रियांशु कुमार, सह-मंत्री जीशु, मीडिया प्रमुख-हर्षित, नगर कार्यालय मंत्री- पवन कुमार, समाजसेवी- शुभम, गुनगुन, ऋतुराज आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का सफल संचालन अर्पित कुमार श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सान्या कुमारी ने की।

मोतिहारी में अतिक्रमण पर चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

अतिक्रमण हटाने के लिए मोतिहारी की सड़क पर उतरा प्रशासन

बीएनएम। मोतिहारी/पूर्वी चंपारण

मोतिहारी शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस लिया है. जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर शहर के मुख्य सड़कों पर शुक्रवार को अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाया गया. इसके लिए प्रशासनिक पदाधिकारियों की टीम मुस्तैदी के साथ मोतिहारी की सड़कों पर उतरी. इस दौरान शहर के जानपुल चौक से मीना बाजार के नाका नंबर एक तक सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया. इसी कड़ी में अतिक्रमणकारियों से 19700 रुपए की राशि भी जुर्माने के तौर पर वसूल की गई. अतिक्रमण मुक्ति अभियान के दौरान प्रशासन के बुलडोजर ने सड़क पर बने कच्चे पक्के संरचनाओं को भी हटाया. आज चलाए गए अतिक्रमण मुक्ति अभियान का अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी श्रेष्ठ अनुपम एवं एसपी सदर शिखर चौधरी के द्वारा निरीक्षण किया गया. इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी तरुण कुमार को आवश्यक निर्देश दिए गए और कहा गया कि ये अभियान लगातार तीन महीने तक जारी रहेगा. जिला प्रशासन की ओर से नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्ति अभियान की शुरुआत किए जाने अतिक्रमणकारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है.

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सोमेश्वरनाथ मंदिर में दूसरे शुक्रवार की मध्य रात्रि से ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नहीं सुधरी विद्युत व्यवस्था, सावनी मेले में लगातार बिजली गुल

बीएनएम। अरेराज

बिहार का काशी कहा जाने वाला अरेराज स्थित सुप्रसिद्ध सोमेश्वर नाथ मंदिर में दूसरे शुक्रवार पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुरुवार की मध्य रात्रि से ही श्रद्धालुओं का जलाभिषेक के लिए मंदिर में पंहुचना शुरू हो गया। सुबह के लगभग 3:00 बजे महामंडलेश्वर सह महंथ रविशंकर गिरि के उपस्थिति में प्रथम पूजन के बाद बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर का पट्ट श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के लिए खोल दिया गया। मंदिर का पट्ट खुलते ही ॐ नमः शिवाय और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ श्रद्धालु बाबा सोमेश्वरनाथ के दर्शन पूजन करने के लिए कतारबद्ध होकर आगे बढ़े। सावन का दूसरा शुक्रवार होने के साथ-साथ त्रयोदशी होने के चलते भी पुरुषों के मुकाबले महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सुबह में देखी गई। शिवालय ऊं नमः शिवाय एवं हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर से निकल रहे वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण शिवमय हो गया और श्रद्धालु भोले बाबा के रंग में रंग गए। महम्मदपुर, छपरा सीवान, गोपालगंज, केसरिया, बेतिया, वाल्मीकि नगर सहित नेपाल और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचे। शाम होते होते लगभग लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा सोमेश्वरनाथ का दर्शन पूजन किया। प्रशासनिक स्तर पर एसडीएम अरुण कुमार, एसडीपीओ रंजन कुमार, बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित, सीओ उदय प्रताप सिंह, अरेराज थानाध्यक्ष विभा कुमारी सहित सभी पदाधिकारी लगातार मेले की निगरानी करते देखे गए।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन पूरी तरह मुश्तैद- श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर प्रबंधन द्वारा भी लगातार तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन कराने के लिए लगभग दो किलोमीटर की बैरिकेडिंग की गई है। पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग कतर की व्यवस्था की गई है। धूप एवं बारिश से बचाने के लिए शेड भी बनाया गया हैं। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए 35 सीसीटीवी लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए दर्जनों स्वयंसेवी मौजदू हैं।

विद्युत विभाग की आंख मिचौली से दिनभर श्रद्धालु रहे परेशान- सावनी मेले के अवसर पर निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति के दावों की पोल खुद विद्युत विभाग खोल रहा है। लगातार पावर कट की समस्या से स्थानीय लोग व दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु परेशान हैं। बिजली नहीं रहने के कारण श्रद्धालुओं को सबसे अधिक समस्या पानी की हो रही है। मेला क्षेत्र में कहीं-कहीं नल तो है लेकिन उसमें पानी निकलना मुश्किल हो गया है। बूंद बूंद पानी के लिए श्रद्धालु तरस रहे हैं। दिनभर श्रद्धालु पानी की बोतल लेकर इधर-उधर पानी भरने के लिए भटकते देखे गए। सावन के पूर्व लगातार विद्युत कट किया जा रहा था। पूछने पर अधिकारी बता रहे थे कि सावनी मेला की तैयारी चल रही है। सभी जर्जर तार और खराब पड़े लाइट को बदल दिया जा रहा है, ताकि श्रावणी मेला में निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति किया जा सके। वही सावनी मेला आते-आते स्थिति और भी बद्तर हो गई है। श्रावणी मेले का

दूसरा शुक्रवार भी समाप्त हो गया, लेकिन पावर कट की समस्या अभी तक दूर नहीं हो सकी है। लगातार फोन पर संपर्क करने की कोशिश करने के बाद भी विद्युत विभाग के एसडीओ और जेई अपना फोन रिसीव करना भी मुनासिब नहीं समझते।

पीएचईडी की खुली पोल- श्रावणी मेला शुरू होने से पहले पीएचईडी विभाग लगातार दावा कर रहा था कि मेला क्षेत्र में पानी की समस्या नहीं होगी। हर जगह खराब पड़े नल व चापाकल को दुरुस्त किया जाएगा, लेकिन स्थिति यह है कि कहीं नल में पानी नहीं है तो कही चापाकल का वॉशर व हेंडिल ही गायब है। संस्कृत उच्च विद्यालय के प्रांगण में लगा चापाकल पिछले कई दिनों से खराब है, लेकिन विभाग के अधिकारी देखने तक नहीं आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को पानी की व्यवस्था भगवान भरोसे ही है।

चार पहिया वाहनों के मेले में प्रवेश पर रोक- सोमवार और शुक्रवार को होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन के द्वारा एसडीएम आवास, जोगियाड़ रोड, बरवा-हनुमान मंदिर, खजुरिया व मंदिर रोड सहित कई जगह पर ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। सभी ड्रॉप गेटों पर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया है। इन्हीं ड्रॉप गेटों से चार पहिया वाहनों के मेला क्षेत्र में प्रवेश पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। वही सोमवार व शुक्रवार को छोड़कर बाकी सभी दिन दो पहिया वाहनों की आवाजाही जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

ई शिक्षा पोर्टल पर विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के संख्या को अपलोड करने हेतु दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड शंकुल संसाधन केंद्र हरसिद्धि में शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के प्रधान शिक्षक को ई- शिक्षा कोष पर विद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं का आंकड़ा को अपलोड करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। जहां बीईओ आशा कुमारी एवं अन्य प्रशिक्षणकर्ताओं ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में सभी शिक्षकों को बताया गया कि सत्र 2024-25 में सभी विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं का डाटा अपलोड करना है, जो प्रधान शिक्षक डाटा अपलोड नहीं करेंगे उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपस्थित सभी शिक्षकों को डाटा ऑपरेटर, बीआरपी को प्रशिक्षण देकर डाटा अपलोड करने का बात बताया गया। सरकार के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में पंचायत वार सभी प्रधान शिक्षकों का प्रशिक्षण बीआरसी में किया जाएगा। जिसकी सूचना ग्रुप के माध्यम से दिया जा चुका है। मौके पर महेश कुमार, मनीष कुमार सहित विद्यालय के प्रधान शिक्षक उपस्थित रहे।

राशि भुगतान में पोस्टमास्टर ले रहे थे रिश्वत, निगरानी ने धर दबोचा

बीएनएम। केसरिया। डाकघर में जमा राशि के भुगतान के एवज में जमाकर्ता से रिश्वत मांगना हुसैनी डाकघर के पोस्टमास्टर को महंगा पड़ गया है। इस मामले में रिश्वत की राशि के साथ पोस्टमास्टर इंद्रजीत बैठा को निगरानी की टीम ने रंगे हाथों धर दबोचा है। दरअसल, डाकघर के उपभोक्ता प्रिंस कुमार ने डाकघर में कुछ रुपया जमा किया था। जिसकी मैच्युरिटी पूरा होने पर भुगतान के लिए डाकघर गया। भुगतान के लिए पोस्टमास्टर द्वारा रिश्वत की मांग की गई। उपभोक्ता ने इस बात की शिकायत निगरानी में की। जिसके बाद निगरानी ने उक्त शिकायत की जाँच की। जाँच में मामला सही पाया गया। जहाँ गुरुवार को पोस्टमास्टर को रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया। हालांकि किसी भी अधिकारी ने कुछ भी बताने से परहेज किया।

हत्याकांड के फरार आरोपी के घर बैंड बाजा के साथ पहुंची पुलिस, चिपकाया इश्तेहार

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिले में हत्या कांड के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर पुलिस बैंड बाजा लेकर पहुंची पुलिस ने इश्तेहार चिपका कर चेतावनी दिया। बैंड

बाजा के साथ जैसे ही पुलिस आरोपी के घर पहुंची,उसे देखने के लिए ग्रामीणो की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान बताया गया कि हत्या आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है।जिसके बाद कोर्ट के आदेश के बाद इश्तेहार निकाला गया है।गुरुवार को पुलिस आरोपी के घर कोर्ट का ऑर्डर लगाने के लिए पहुंचा था।उक्त इश्तेहार में कहा गया है,कि आरोपी 15 दिनों के अंदर खुद को सरेंडर करें नहीं तो घर की कुर्की कर घर पर बुलडोजर चला दिया जाएगा। मामला जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शम्भुचक पंचायत स्थित मठगोवर्धन गांव का है। जहां फरवरी 2023 में नागेंद्र दास के इकलौते पुत्र अंकित कुमार की आपसी विवाद में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक की मां सुशीला देवी ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए संजीत सिंह समेत पांच नामजद और पांच अज्ञात को आरोपी बनाया था। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जबकि घटना का मुख्य आरोपित संजीत सिंह फरार चल रहा है।कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 68/23 के फरार मुख्य अभियुक्त संजीत सिंह के घर पर कोर्ट के आदेश पर इश्तेहार चिपकाया गया है।अगर 15 दिनों के अंदर न्यायालय अथवा थाना में सरेंडर नहीं करता है तो संजीत सिंह के घर की कुर्की जब्ती की जाएगी।

विभागीय अधिकारियों व संवेदकों के लिये सोने की अंडा देने वाली मुर्गी साबित हो रही तिरहुत कनाल नहर

- विभागीय उदासीनता से करोड़ों की हो सकती है क्षति, तिरहुत मुख्य कनाल नहर में कटाव जारी
- करीब तीन सौ एकड़ में लगे धान व गन्ना का फसल हो जाएगा बर्बाद

बीएनएम। हरसिद्धि

तिरहुत मुख्य नहर के भादा पुल के दोनों तरफ के बांधों में फिर तेजी से कटाव शुरू हो गया है। जिससे उसके प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों की नींद उड़ गई है। पूर्वी हिस्से के दक्षिणी बांध में करीब बीस फिट तो उत्तरी बांध में पंद्रह फीट के लंबाई में कटाव हो रहा है। बांध मुश्किल से लेकर पंद्रह फिट चौड़ा बचा है। पानी का बहाव करीब आठ फिट नहर में हो रहा है। यदि बांध टूट जाता है तो दर्जनों गांवों का संपर्क पथ बंद हो जाएगा। वही करीब तीन सौ एकड़ में लगे धान व गन्ना का फसल बर्बाद हो जाएगा। हालांकि यह बांध विभागीय अधिकारियों और संवेदकों के लिये सोने की अंडा देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। यहां प्रत्येक साल कटाव होता है।अस्थायी तौर पर आनन फानन में बांस बल्ला एवम मिट्टी का बैग देकर उसका मरम्मत कर लाखों

रुपये का निकासी कर बंदरबांट कर लिया जाता है। फिर बरसात बाद जैसे जैसे पानी कम होता है धीरे धीरे बांस बल्ला पुनः निकाल लिया जाता है। इस संदर्भ में पूछने के लिए कार्यपालक अभियंता व सहायक अभियंता के मोबाइल पर बात करने की कोशिश की गई परंतु बात नही हो सका।

पुलिस अभिरक्षा से फरार शातिर पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गड़हिया ओपी पुलिस की टीम ने गुरूवार को साढ़े चार माह पूर्व पुलिस की अभिरक्षा से हथकड़ी निकाल कर भागे एक शातिर बदमाश को उसके एक अन्य सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है।इसकी जानकारी देते हुए डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश गड़हिया ओपी क्षेत्र के सेमरा ग्राम का अजीत कुमार व सचिन कुमार है। अजीत बीते नौ मार्च को गड़हिया थाना से मधुबन थाना लाने के क्रम में मलंग चौक के पास लगे जाम के दौरान पुलिस अभिरक्षा से हथकड़ी निकाल कर भाग गया था। शातिर अजीत के विरूद्ध मधुबन थाने में वाहनों की चोरी, आर्म्स एक्ट, लूट व चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री करने के 6 व पिपरा थाने में दो मामले दर्ज हैं। उसके पास से चोरी की बुलेट बाइक, एक पिस्टल व दो जिंदा करतूस बरामद किया गया है। वहीं उसके सहयोगी बदमाश सचिन के पास से दिल्ली से चोरी गया एप्पल का एक मोबाइल बरामद किया गया है। छापेमारी टीम में मधुबन थानाध्यक्ष संजीव मौआर, गड़हिया ओपी प्रभारी राजीव रंजन कुमार, एसआई दिनेश कुमार सिंह, नसीम हैदर, राजेन्द्र पासवान सहित महिला व पुरूष पुलिस बल के जवान शामिल थे।

हाजिरी बनाकर विद्यालय से गायब हो जाते हैं अधिकतर शिक्षक

- केसरिया प्रखंड अंतर्गत स्थित विद्यालयों का मामला
- बीईओ बोले संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

प्रखण्ड क्षेत्र के अधिकांश सरकारी विद्यालयों में अधिकतर शिक्षकों द्वारा उपस्थिति बनाकर अनुपस्थित रहने का खेल चल रहा है। जिससे विभाग अंजान है। ऐसी स्थिति से शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे अधिकतर शिक्षक निर्धारित समय से विद्यालय तो पहुँच रहे हैं लेकिन सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर अपने निजी कार्य से विद्यालय से बाहर चले जाते हैं। इस खेल की जमीनी हकीकत जानने को लेकर शुक्रवार को बीएनएम अखबार की टीम प्रखण्ड क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक विद्यालयों का भ्रमण किया। जहाँ कई विद्यालयों में प्रभारी एचएम सहित अन्य शिक्षक अपनी हाजिरी बनाकर अनुपस्थित मिले। जानकारी मिली कि अनुपस्थित शिक्षक हाजिरी बनाने के बाद चले जाते हैं। फिर छुट्टी के नियत समय से थोड़ी देर पहले आते हैं। जिसके बाद विद्यालय से प्रस्थान करने का समय लिख कर चले जाते हैं। हालांकि पत्रकारों की टीम पहुँचने की भनक लगते हीं संबंधित सभी शिक्षक आननफानन में विद्यालय पहुँचने लगे। एनपीएस बिनटोली बथना की प्रभारी अनिता कुमारी छुट्टी में थी। इस विद्यालय में प्रभारी सहित छः शिक्षक हैं। जिनमें योगेंद्र राम, राजकिशोर कुमार रंजन व शाहनवाज खान उपस्थित थे। जबकि दीनबंधु कुमार व अफसर खान हाजिरी बनाकर लापता थे। इस विद्यालय में दो बजे तक बच्चों की उपस्थिति नहीं बनी थी। वहीं यूएमएस चकुदरिया में करीब ढाई बजे पहुँचने पर प्रभारी एचएम शीतेश कुमार अनुपस्थित मिले। प्राथमिक विद्यालय रामकमल ठाकुर के टोला की प्रभारी प्रतिमा कुमारी, शिक्षक तनवीर हसन व नसीम हाशिमी गायब मिले। प्राथमिक विद्यालय पदुमन छपरा के शिक्षक औरंगजेब खान अनुपस्थित मिले। बच्चों द्वारा बताया गया कि उक्त शिक्षक नमाज पढ़ने गये हैं। कमोबेस यही स्थिति अधिकांश विद्यालयों की है। जहाँ हाजिरी बनाकर बीआरसी सहित अन्य विभागीय कार्यों से बाहर जाने का बहाना बनाकर शिक्षक विद्यालय अवधि में गायब रह रहे हैं। ऐसे विद्यालयों में सतत निगरानी की आवश्यकता है। इधर, बीईओ विनय कुमार तिवारी ने दूरभाष पर बताया कि संबंधित सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। जवाब संतोषजनक नहीं रहने पर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

सोमेश्वरनाथ मंदिर को भव्य पर्यटक स्थल बनाए सरकार, पर्यटन मंत्री से मिले जदयू नेता

बीएनएम। पटना/मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज में स्थित भगवान शिव के अति प्राचीन मंदिरों में से एक श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर को राज्य के पैमाने पर भव्य पर्यटक स्थल बनाए जाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है.जदयू के प्रदेश सचिव सह सलाहकार समिति के सदस्य व गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के बहादुरपुर-बिनवलिया निवासी साकेत कुमार सिंह ने इसकी मांग राज्य सरकार से की है. सूबे के पर्यटन एवं उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा से मिलकर जदयू नेता श्री सिंह ने शुक्रवार को एक ज्ञापन दिया. जदयू के प्रदेश सचिव ने विभागीय मंत्री से कहा कि झारखंड के बंटवारे के बाद बिहार के पैमाने पर अरेराज का सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर एक ऐसा जीवंत धार्मिक स्थल है,जहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में देश-विदेश के लोग शिव लिंग का जलाभिषेक करने आते हैं. इसी कारण अरेराज के इस प्राचीन महादेव मंदिर को बिहार का काशी भी कहा जाता है.

पर्यटन मंत्री को मांग पत्र सौंपते जदयू नेता

अरेराज में लगता है भारी मेला- जदयू के प्रदेश सचिव ने कहा कि अरेराज में सालो भर मेला जैसा दृश्य रहता है. अगर सरकार इस स्थल को पर्यटन केन्द्र के रुप में विकसित कर दे तो यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि होगी जिससे यहां के लोगों को रोजगार भी मिलेगा.विभागीय मंत्री को सौंपे मांग-पत्र में जदयू नेता श्री सिंह ने श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के अलावें गोविंदगंज थाना क्षेत्र के लौरिया स्थित अशोक स्तंभ,वाल्मीकि आश्रम, दीघा मठ,ऐतिहासिक कनिष्क कालीन कलिंग गढ़, चंडीस्थान एवं घोड़हन देवी स्थान को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की है. जदयू के प्रदेश सचिव ने बताया कि पर्यटन मंत्री ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए इसे अपने सर्वोच्च प्राथमिकता की सूची में शामिल कर लिया है. उन्होंने इस दिशा में शीघ्र ही विभागीय कार्रवाई शुरु करने का ठोस आश्वासन दिया है.

चिंतन मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

सावन मास का महत्व एवं शिव की शरण

ललित गर्ग

सावण मास को मासोत्तम मास कहा जाता है। सावण मास अपना एक विशिष्ट महत्व रखता है। यह माह अपने हर एक दिन में एक नया सवेरा दिखाता। इसके साथ जुड़े समस्त दिन धार्मिक रंग और आस्था में डूबे होते हैं। इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक महत्व के साथ जुड़ी हुई होती है। शास्त्रों में सावन के महात्म्य पर विस्तारपूर्वक उल्लेख मिलता है। श्रवण नक्षत्र तथा सोमवार से भगवान शिव शंकर का गहरा संबंध है। इस मास का प्रत्येक दिन पूर्णता लिए हुए होता है। धर्म और आस्था का अटूट गठजोड़ हमें इस माह में दिखाई देता है। इसका हर दिन व्रत और पूजा पाठ के लिए महत्वपूर्ण रहता है। देवों के देव शिव की भक्ति के लिये सावण मास का विशेष महत्व है। शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसलिए यह समय भक्तों और साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है। इस समय सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं और वे समाज उपेक्षितों, भक्तों एवं पीड़ितों की सहायता करते हैं। सावन मास की अनेकानेक विशेषताएं एवं अलौकिकताएं हैं। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन से 14 प्रकार के तत्व निकले। उसमें एक कालकूट विष भी निकला, उसकी भयंकर ज्वाला से समस्त ब्रह्माण्ड जलने लगा। इस संकट से व्यथित समस्त जन भगवान शिव के पास पहुंचे और उनके समक्ष प्रार्थना करने लगे, तब सभी की प्रार्थना पर भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने हेतु उस विष को अपने कंठ में उतार लिया और उसे वहीं अपने कंठ में अवरूद्ध कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगाजल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त सावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। ज्योतिर्लिंगों का दर्शन एवं जलाभिषेक करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल प्राप्त होते हैं तथा शिवलोक की प्राप्ति होती है, ऐसी मान्यता है। इन दिनों में अनेक प्रकार से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है जो भिन्न-भिन्न फलों को प्रदान करने वाला होता है। जैसे कि जल से वर्षा और शीतलता की प्राप्ति होती है। दूग्ध अभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान की प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है। कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है. दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है और शहद से अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त एक अन्य कथा के अनुसार, मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी, जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे। इस महीनें में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है और जीवन रक्षक माना गया है। भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने का एक अन्य कारण यह भी है कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत आर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था। माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है। भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभीष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर-पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मांगने आये तो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में वे पीछे नहीं हटते हैं। भगवान शिव के प्रति जन-जन की भक्ति और निष्ठा, उनका समर्पण और उनकी स्तुति अनायास नहीं है, बल्कि भक्तों ने शिव की भक्ति में वह सब कुछ पाया है, जो उन्होंने चाहा है। यह उस अनादिअनंत, शांतस्वरूप पुरुषोत्तम शिव की भक्ति और वंदना का ही परिणाम है कि व्यक्ति अपनी परेशानियों, असाध्य बीमारियों से उभरकर स्वस्थ बन जाता है, अपने भौतिक जीवन में हर कामनाओं को पूर्ण होते हुए देखता है। वस्तुतः अपने विरोधियों एवं शत्रुओं को मित्रवत बना लेना ही सच्ची शिवभक्ति है। जिन्हें समाज तिरस्कृत करता है उन्हें शिव गले लगाते हैं। तभी तो भक्त भगवान शिव की शरण आकर निश्चिंत हो जाता है, तभी तो अछूत सर्प उनके गले का हार है। अधम रूपी भूत-पिशाच शिव के साथी एवं गण हैं। शिव सच्चे पतित पावन हैं। उनके इसी स्वभाव के कारण देवताओं के अलावा दानव भी शिव का आदर करते हैं और भक्ति करते हैं। समाज जिनकी उपेक्षा करता है, शंकर उन्हें आमंत्रित करते हैं। ऐसे पालक रुद्रदेव की शरण में भक्त स्वयं को निश्चिंत, सुखी, समृद्ध महसूस करता है। हर व्यक्ति शिव की स्तुति एवं भक्ति करते हुए अपने जीवन को सार्थक मानता हैं, क्योंकि भगवान शिव अपने भक्तों को बहुत फल देने वाले हैं, उनकी हर मनोकामना को पूरा करने वाले हैं। जो अनुपम ऐश्वर्यशाली होते हुए भी गजचर्मधारी हैं, अर्ध शरीर में पत्नी को धारण करने पर भी सांसारिक विषयों से मन को विरक्त किए हुए हैं और यतियों में अग्रगण्य हैं, जो अपने अष्ट रूपों से संपूर्ण जगत का पालन करते हुए अभिमानयुक्त नहीं हैं, निराभिमानी हैं, वे हमें श्रेष्ठ मार्ग को दिखाने के लिए हमारी तामसीवृत्ति को मिटाते हैं, हमारी बुराइयों को दूर करते हैं। भगवान शिव जटारूपी वन से निकलती हुई गंगाजी की गिरती हुई धाराओं से पवित्र किए गले में सर्पों की लटकती हुई विशाल माला को धारण कर, डमरू के डम-डम शब्दों से मंडित प्रचंड तांडव नृत्य कर इस संसार की आसुरी शक्तियों को ललकारते हैं, वे शिव हम सबका कल्याण करते और हमारी जीवन सृष्टि को उन्नत एवं खुशहाल बनाते हैं। भगवान शिव इस संसार के पालनहार हैं, उनके एक हाथ में वर, दूसरे हाथ में अभय, तीसरे हाथ में अमृत कलश और चौथे हाथ में त्रिशुल है। आपकी कृपा चाहने वाले कोई भक्त आपके 'वर' के पात्र बनें, कोई भक्त 'अभय' के पात्र बनें और कोई हाथ में स्थित घनीभूत 'अमृत' के पात्र बनें और ऐसी पात्रता हर शिव भक्त में उमड़े और शिव भक्ति का एक प्रवाह संपूर्ण संसार में प्रवहमान बने, यही इस संसार और सृष्टि का उन्नयन और उत्थान कर सकती है। भारतीय संस्कृति की भांति शिव परिवार में भी समन्वयकारी गुण दृष्टिगोचर होते हैं। वहां जन्मजात विरोधी स्वभाव के प्राणी भी शिव के प्रताप से परस्पर प्रेमपूर्वक निवास करते हैं। शंकर का वाहन बैल है तो पार्वती का वाहन सिंह, गणेश का वाहन चूहा है तो शिव के गले का हार सर्प एवं कार्तिकेय का वाहन मयूर है। ये सभी परस्पर वैरभाव को छोड़ कर सौहार्द एवं सद्भाव से रहते हैं। शिव परिवार का यह आदर्श रूप प्रत्येक परिवार एवं समाज के लिये प्रेरक है। भगवान शिव जन-जन की रक्षा करते हैं, भक्तों की रक्षा करते हैं। वे देवताओं में श्रेष्ठ, सर्वेश्वर, संहारकर्ता, सर्वव्यापक, कल्याणरूप, चंद्रमा के समान शुभ्रवर्ण हैं, जिनकी गोद में पार्वती, मस्तक पर गंगा, ललाट पर बाल चंद्रमा, कंठ में हलाहल विष और वक्ष स्थल पर सर्पराज शोभित हैं, वे भस्म से विभूषित हैं। जो जगत का भरण करते हैं पर स्वयं भिक्षु हैं, जो सब प्राणियों को निवास देते हैं परंतु स्वयं गृहहीन हैं, जो विश्व को ढकते हैं परंतु स्वयं नग्न हैं। मान्यता है कि भगवान शिव अपने भक्तों की भक्ति को बहुत मान देते हैं। क्षीर समुद्र का दान करने वाले शिव अपने भक्तों द्वारा दिए गए दुग्ध बिंदु को ग्रहण कर लेते हैं। तीन नेत्रों में सूर्य, चंद्र और अग्नि को धारण करते हुए भी आप भक्तों द्वारा दिए गए दीपक को स्वीकार कर लेते हैं। वाणियों के उत्पत्ति स्थान होते हुए भी अज्ञानी भक्तों की वाणियों (स्तुतियों) को सुन लेते हैं। विनीतों, भक्तों के आग्रह से आप क्या-क्या नहीं करते।

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वी बार सफल होना।

जे। एंड्रयूज

अपने सपनों को साकार करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है कि आप जाग जाएं।

पॉल वैलेरी

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चर्तुदर्शी, शनिवासरे, पुर्नवसु नक्षत्रे, वज्र योगे, गर करणे, कर्क की चंद्रमा, स्वल्प वृष्टि योग श्लेषा नक्षत्र के सूर्य दिन 11/23 तक तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, बैंक कर्मचारी, कमीशन एजेन्ट, कैशियर, प्रबंधक होगा।

मेष राशि - तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय, दाम्पत्य जीवन पूर्ण संतोषप्रद रहेगा।

वृष राशि - शत्रुभय, सुख, मंगल कार्य, विरोध-मामले-मुकदमे में प्राय जीत की संभावना है।

मिथुन राशि - कुसंग से हानि, रोग, भय, यात्रा, सुबोध, व्यापार की स्थिति लाभ-हानि की बनी रहेगी।

कर्क राशि - पराक्रम, कार्यसिद्धी, व्यापार लाभ, खेती व गृह कार्य में व्यवस्था अवश्य ही बनेगी।

सिंह राशि - तनावपूर्ण स्थिति से बचें, विरोध, चिन्ता, उद्योग-व्यापार में लाभ, कार्य सफलता होगी।

कन्या राशि - भूमि-लाभ, स्त्री सुख, प्रगति, उद्योग-व्यापार में अड़चनें होती रहेंगी, ध्यान अवश्य रखें।

तुला राशि - प्रगति, वाहन भय, भूमि लाभ, कष्ट, व्यर्थ अनाप-शनाप खर्च से परेशानी अवश्य बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि - कार्यसिद्धी, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष होगा तथा व्यापार में सुधार अवश्य ही होगा।

धनु राशि - यात्रा से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, हर्ष होगा, लिखा-पढ़ीव शिक्षा जगत से सुख होगा।

मकर राशि - शुभ कार्य, वाहन आदि रोग भय, नौकरी की स्थिति सामान्य बनी ही रहेगी।

कुंभ राशि - अभीष्ट कार्यसिद्ध राजभय, कार्य बाधा, धार्मिक कुछ अच्छे कार्य बन जायेंगे।

मीन राशि - अल्प हानि, रोगभय, समपत्ति लाभ, मित्रों व पारिवारिक लोगों से सावधान रहें।

ताकि न्यायपालिका की गरिमा बनी रहे ...

निखिल भट्ट

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री जीएस अहलूवालिया ने नर्मदा पुरम की कलेक्टर सोनिया मीणा के खिलाफ चीफ सेक्रेटरी को कार्यवाही करने का जो आदेश जारी किया है वो न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरूरी था,इसी तारतम्य में न्यायमूर्ति ने सिवनी मालवा के एडिशनल कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह और तहसीलदार राकेश खजूरिया की सभी मजिस्ट्रियल शक्तियां तत्काल वापस लेने के साथ उन्हें ट्रेनिंग पर भेजे जाने के आदेश करते हुए इस आदेश को सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं। पिछले लंबे समय ये देखा जा रहा है की हाई कोर्ट के आदेशों के बावजूद नौकरशाह इन आदेशों की नाफरमानी कर देते हैं और जब अदालत की अवमानना के मामले में उन्हें हाजिर होना पड़ता है तो वे माफी मांग कर अपने आप को सुरक्षित कर लेते हैं। स्थिति ये है कि शासन-और उसके नुमाइंदों द्वारा हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना के कारण पिछले साल तक हाई कोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या चार लाख के पार हो चुकी है और इसके साथ साथ अदालत की अवमानना के मामले भी लगातार बढ़ोतरी में हैं एक समाचार पत्र की खबर के मुताबिक 2018 में 3605 2019 में 3315 ,2020 में 3118, 2021 में 3212, 2022 में 1518 अवमानना के मामले हाइकोर्ट में दर्ज किए गए है। दरअसल नौकरशाही में बढ़ती राजशाही की मनोवृत्ति इस समस्या की मुख्य वजह है कहने को तो सरकारी अफसर जनता की सेवा के लिए तैनात किए जाते हैं लेकिन आम नागरिकों के साथ उनका व्यवहार कैसा होता है इसका उदाहरण किसी भी सरकारी दफ्तर में जाकर महसूस किया जा सकता है, न्यायालय में मामलों की बढ़ती संख्या के पीछे भी यही कारण है कि सरकारी अफसर आम जनता के आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं करते और उसके बाद उसे मजबूर होकर न्यायपालिका की शरण में जाना पड़ता है क्योंकि उसकी निगाह में न्याय के लिए अंतिम सीढ़ी न्यायपालिका ही होती है लेकिन दुखद तथ्य ये भी है कि न्यायपालिका द्वारा दिए गए आदेशों को भी सरकार में बैठे उच्च स्तरीय अफसर गंभीरता से नहीं लेते इसके अलावा ये भी सर्वविदित तथ्य है कि न्यायालय में अधिकतर मामले सरकार के खिलाफ दायर होते हैं यदि शासन और प्रशासन इन आवेदनों पर अपने स्तर पर ही कार्यवाही कर कर उन्हें निपटा दें तो न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ शायद कम हो सकता है लेकिन जिस तरह की मनोवृत्ति सरकारी अफसरों की हो चुकी है उसको देखते हुए यह सोचना अपने आप को झूठी सांत्वना देना होगा कि वे संवेदनशीलता दिखाते हुए एक पीड़ित को न्याय दिलाने में अपनी तरफ से पहल करेंगे इस मसले पर न्यायपालिका भी अधिकांश मामलों में नरम रुख अपनाती है अधिकारी द्वारा उपस्थित होकर माफी मांग लेना या फिर निर्देशों का तत्काल पालन करने का वचन दे कर वे कार्यवाही से बच जाते हैं जबकि आम जनता ये चाहती है कि हाई कोर्ट के आदेशों का पालन समय पर न करने वाले अधिकारियों पर हाई कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाए और अगर ऐसा होता है तो अफसर शाही का यह भ्रम टूटेगा कि वे न्यायपालिका से भी ऊपर है शायद यही बात नर्मदा पुरम की कलेक्टर सोनिया मीणा के खिलाफ कुछ महीने पूर्व टिप्पणी करते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश श्री विवेक अग्रवाल ने कहा था कि क्या आप अपने आप को हाई कोर्ट से भी ऊपर समझती हैं, दो दो, तीन तीन बार हाई कोर्ट के बुलावे के बावजूद आप कोर्ट में हाजिर नहीं हुई और अपनी सफाई में ये कह रही है कि जिस दिन हाई कोर्ट ने उन्हें उपस्थित होने का आदेश दिया था उसी दिन उनके इलाके में एक मंत्री जी का दौरा था, न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल ने इस पर भी गुस्सा जाहिर करते हुए कहा था कि क्या मंत्री हाई कोर्ट से भी ऊपर हो गए हैं पूर्व में हाई कोर्ट के न्याय मूर्ति द्वारा सोनिया मीणा को फटकार लगाने के बाद भी उनके रवैए में कोई फर्क नहीं आया और पिछले दिनों न्यायमूर्ति श्री जी एस अहलूवालिया की अदालत में एक मामले में उपस्थित ना होकर कलेक्टर सोनिया मीणा ने अपने एडीएम के माध्यम से एक चिट्ठी सीधे जज के नाम पर भेज दी जिस पर न्यायमूर्ति बेहद नाराज हुए उन्होंने उसी वक्त कह दिया था कि वे इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं।

वैदिक काल में सामाजिक स्थिति

संजय गोस्वामी

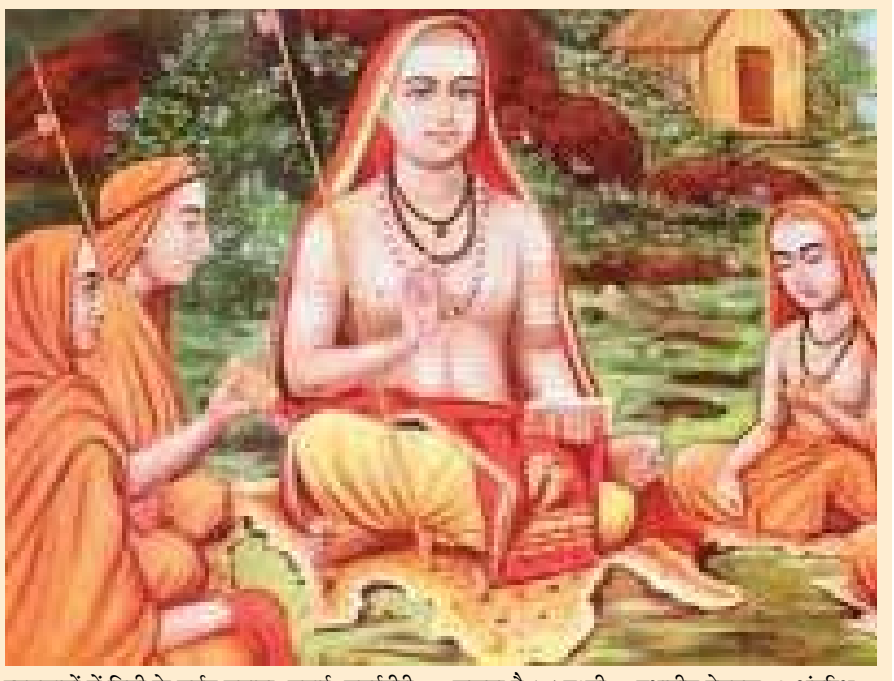

ऋग्वैदिक काल में समाज चार वर्णों में विभक्त था । ये वर्ण थे : ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र । ब्राह्मण का मुख्य कार्य पूजा-पाठ यज्ञ अध्ययन-अध्यापन तथा दान लेना इत्यादि था। क्षत्रिय मुख्य रूप से योद्धा वर्ग था जो प्रशासन का कार्य देखते थे। वैश्य कृषि व्यापार- वाणिज्य इत्यादि से संबंधित कार्य करते थे और शूद्र सेवा प्रदान करने का कार्य करते थे। समाज का यह वर्गीकरण अनुवांशिक ना होकर व्यक्ति के व्यवसाय यानी काम पर आधारित था । उत्तर वैदिक काल आते आते यह वर्णाश्रम व्यवस्था अपने सबसे मजबूत स्वरूप में आ गई। इसी काल में गोत्र की अवधारणा भी उजागर हुई। एक ही मूल पुरुष से उत्पन्न व्यक्ति एक गोत्र के कहे जाने लगे। मौलिक रूप से गोत्रों की संख्या 7 बताई गई : कश्यप, वशिष्ठ, भृगु, गौतम, भारद्वाज, अत्रि, एवं विश्वामित्र। अगस्त को आठवां गोत्र माना जाता है। इस युग की दूसरी विशेषता थी "आश्रम व्यवस्था"। आश्रम व्यवस्था के चार चरण बताए गए हैं : पहला, ब्रह्मचर्य -जन्म से 25 वर्ष तक। यह विद्या- अर्जन एवं बौद्धिक विकास से संबंधित था। दूसरा, गृहस्थ आश्रम, जो 25 वर्ष से प्रारंभ होकर 50 वर्ष तक रहता था। इस दौरान व्यक्ति द्वारा महत्वपूर्ण पारिवारिक- सामाजिक उत्तरदायित्व का वाहन किया जाता था। तीसरा, वानप्रस्थाश्रम -50 से 75 वर्ष तक था। यह पारलौकिक जीवन से संबंधित था एवं अंतिम चरण सन्यास था जो 75 वर्ष के उपरांत का जीवन था। इस अवस्था में मनुष्य संसार का त्याग कर एक सन्यासी जीवन व्यतीत करता था।इस युग में लोगों द्वारा व्यवसाय चुने जाने का आधार अपनी योग्यता तथा पसंद था , न कि जन्म या आनुवंशिक रूप से, जैसे कि आगे चलकर अपनाए जाने लगे थे। एक ही परिवार के लोगों द्वारा इच्छानुसार अलग-अलग पेशा या व्यवसाय अपनाए जाने के उदाहरण मिलते हैं। जैसा कि ऋग्वेद के सूक्त 9. 112 में एक व्यक्ति कहता है : "मैं कवि/गायक हूँ; पेरे पिता वैद्य हैं; मेरी माता चक्की चलाने वाली है; भिन्न-भिन्न व्यवसायों से जीविकोपार्जन करते हुए हम एक साथ रहते हैं; जैसे पशु (अपने बाड़े में) रहते हैं।" इस युग में एक -विवाह प्रथा प्रचलित थी। बालविवाह का प्रचलन नहीं था। विवाह के लिए वरण की स्वतंत्रता का भी कहीं-कहीं उल्लेख मिलता है। विधवा स्त्री अपने मृतक पति के छोटे भाई (देवर) से विवाह कर सकती थी । पिता की संपत्ति साधारणतः उत्तराधिकार में पुत्र को प्राप्त होती थी। किंतु यदि कोई पुत्री अपने माता-पिता की एकमात्र संतान होती थी तब यह संपत्ति उसे प्राप्त होती थी । ऋग्वेदिक काल में स्त्रियों की स्थिति सम्मानजनक थी। ऋग्वैदिक काल में बाल विवाह नहीं होते थे, प्रायः 16–17 वर्ष की आयु में विवाह होते थे। पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था। सती प्रथा का भी प्रचलन नहीं था। हालाँकि स्त्रियों को राजनीति में भाग लेने का अधिकार नहीं था। उन्हें शिक्षा दी जाती थी। अपाला, लोपामुद्रा, विश्ववारा, घोषा आदि नारियों के मन्त्र द्रष्टा होकर ऋषिपद प्राप्त करने का उल्लेख प्राप्त होता है। लेकिन उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में गिरावट आई। अब सभा व समिति में उन्हें प्रवेश का अधिकार नहीं रहा। पुत्रों की तुलना में पुत्रियों को संपत्ति से वंचित किया जाने लगा तथा कई बार तो पुत्रियों के जन्म को भी हतोत्साहित किया गया। लोग मिट्टी एवं घास फूस से बने मकानों में रहते थे। ऋग्वेदकालीन संस्कृति ग्राम–प्रधान थी। नगरीकरण ऋग्वेद काल की विशेषता नहीं है। ऋग्वैदिक काल में दास प्रथा विद्यमान थी। वैदिक कालीन सूत्र साहित्य 1.कल्पसूत्र : विधि एवं नियमों का प्रतिपादन। 2.श्रौतसूत्र : यज्ञ से संबंधित विस्तृत विधि-विधानों की व्याख्या। 3.शुल्बसूत्र : यज्ञ स्थल तथा अग्नि वेदी के निर्माण तथा माप से संबंधित नियम,जिसमें भारतीय ज्यामिति अपने प्रारंभिक रूप दिखाई देती है। 4.धर्मसूत्र : सामाजिक-धार्मिक कानून तथा आचार संहिता । 5.ग्रह सूत्र : मनुष्य के लौकिक एवं पारलौकिक कर्तव्य। वैदिक काल में आर्थिक जीवन ऋग्वैदिक काल में आर्थिक जन-जीवन मुख्यतः कृषि, पशुपालन और वाणिज्य एवं व्यापार पर निर्भर था । गायें, भेड़-बकरियाँ, गधे, कुत्ते, भैंसे आदि उपयोगी पालतू पशु थे। हल जोतने और गाड़ी खींचने में बैलों का उपयोग किया जाता था और रथ खींचने में घोड़े उपयोग में लाये जाते थे। कृषि में खाद का भी प्रयोग किया जाता था,ऐसे प्रमाण मिले हैं । ऋग्वेद के कई प्रसंगों से ऐसा प्रतीत होता है कि सिंचाई की प्रथा भी थी। खाद्यान्नों को सामूहिक रूप से यव और धान्य कहा जाता था। वैदिक साहित्य में दस प्रकार के अन्न उगाए जाने का उल्लेख है। अन्य व्यवसायों में मिट्टी के बर्तन बनाना, बुनाई, बढ़ईगीरी, धातु का काम, चमड़े का काम आदि उल्लेखनीय हैं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है की ऋग्वैदिक काल में धातु के तौर पर केवल ताँबे का ही प्रयोग होता था, जिसे अयस् कहा जाता था। बाद में लोहा प्रचलन में आया जिसे श्याम अयस् कहा जाने लगा। ऋग्वैदिक काल में वाणिज्य-व्यापार होता था और व्यापारियों को वणिक कहा जाता था। लेन-देन में वस्तु-विनिमय की प्रणाली प्रचलित थी। साहूकारी, यानी ब्याज पर धन उधार देने की प्रथा भी प्रचलित थी। उत्तर वैदिक काल आते आते कृषि ने पशुपालन की जगह मुख्य पेशे का स्थान ग्रहण कर लिया। वैदिक काल में धर्म व दर्शन ऋग्वैदिक काल में साधारणतया प्राकृतिक शक्तियों की ही विभिन्न देवताओं के रूप में पूजा की जाती थी। ऋग्वेद में मन्दिर अथवा मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं है। तथापि कर्मकाण्ड का विशेष महत्त्व था । देवतों की आराधना मुख्यतः स्तुतिपाठ एवं यज्ञाहुति से की जाती थी। वैदिक देवताओं को स्थान के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है । 1.पृथ्वी – स्थानीय देवगण, 2.अंतरिक्ष-स्थानीय देवगण और 3.वायु -स्थानीय देवगण । पृथ्वी, अग्नि, सोम, बृहस्पति और नदियाँ प्रथम श्रेणी में आती हैं; इंद्र, अपाम्-नपात, रुद्र, वायु-वात, पर्जन्य और आपः द्वितीय श्रेणी के देवगण हैं; और वरुण, मित्र, सूर्य, सावित्री, पूषन्, विष्णु, आदित्य, उषा और अश्विन् तृतीय श्रेणी में आते हैं। इंद्र और वरुण को इन देवगणों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, वे बाकी सबसे बड़े माने गए हैं। इंद्र का स्थान सभी देवताओं में सर्वोच्च था। मुख्यता यह युद्ध के देवता माने जाते थे। ऋग्वेद के 250 सूत्र अकेले इंद्र को ही समर्पित हैं। अग्नि और सोम भी लोकप्रिय देवता थे। सोम वनस्पति के देवता थे जबकि अग्नि को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच संदेशवाहक के रूप में आदर दिया जाता था । वे मनुष्य द्वारा दिए गये चढ़ावे को देवता तक ले जाने का कार्य करते थे। इसके अलावा, अग्नि ही ऐसे एकमात्र देवता थे जो देवताओं की तीनों श्रेणियों में विद्यमान थे । देवताओं की उत्पत्ति तो मानी गई है किंतु अंत नहीं। अर्थात् वे अमर माने गये थे ।

शब्द पहेली - 8208

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8207 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	म	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल - 7146

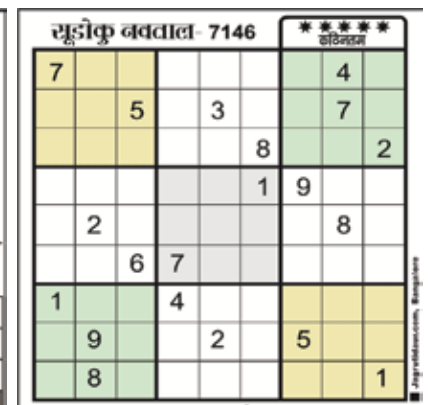

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7145 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सोशल वर्क सेवा ही नहीं पैसा भी

अगर सोशल वर्क से संबंधित कोर्स की बात करें तो इन दिनों मास्टर ऑफ सोशल वर्क काफी पॉपुलर कोर्स है और काफी ज्यादा संख्या में युवा इस प्रोफेशन को अपना रहे हैं.

यदि अंग्रेजी अच्छी है तो इससे संबंधित प्रोफेशनल्स को विदेशों में भी काफी अवसर मिलते हैं. किसी भी करियर में कामयाबी प्राप्त करने के लिए किसी को भी अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार चयन करना होगा. यदि आप में सोशल वर्कर के रूप में बेसहारा लोगों की मदद करने का जुनून है और इसमें करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह बेहतर होगा कि इससे संबंधित कोर्स करें.

क्या है सोशल वर्क

समाज में दबे-कुचले एवं असहाय जनों को शारीरिक एवं बौद्धिक रूप से मजबूत करने का दायित्व इन्हीं पर है. एक सोशल वर्कर समाज में फैली भांति-भांति की भ्रांतियों को दूर करने के साथ ही व्यक्ति को सिस्टेमेटिक और अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है.

योग्यता

देश के विभिन्न संस्थानों में सोशल वर्क्स यानी समाज सेवा से संबंधित कई कोर्स संचालित होते हैं, जबकि एमएसडब्ल्यू करने के लिए संस्थानों में स्नातक स्तर पर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है. यदि आपने स्नातक स्तर पर समाजशास्त्र या सामाजिक विज्ञान की पढ़ाई की है तो वरीयता दी जाती है. इसमें रिसर्च वही स्टूडेंट्स कर सकते हैं, जिन्होंने पोस्ट ग्रेजुएट सोशल वर्क से किया हो और यूजीसी द्वारा तय मानक को पूरा करता हो.

कैसे होगी एंट्री

बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू एवं पीएचडी में एंट्री के अलग-अलग मानक हैं. एमएसडब्ल्यू के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है. सफल कैंडिडेट्स की मानसिक क्षमता एवं सामान्य ज्ञान का परीक्षण किया जाता है जबकि पीएचडी करने के लिए परास्नातक स्तर पर 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है.

संभावनाएं

सोशल वर्क में दक्ष कैंडिडेट्स को उसकी योग्यता एवं अनुभव के अनुसार सरकारी एवं प्राइवेट सेक्टरों में रोजगार की कमी नहीं है. कैंडिडेट्स शिक्षण कार्य के अलावा सरकारी एवं प्राइवेट सेक्टरों, सामुदायिक विकास स्वास्थ्य केंद्रों, एनजीओ, परिवार परामर्श केंद्र, नशामुक्ति केंद्र, चिकित्सालय, शहरी एवं ग्रामीण परियोजनाओं, औद्योगिक एवं कॉरपोरेट सेक्टर के अलावा अंतरराष्ट्रीय गैरसरकारी संगठन, सरकारी एजेंसियों में बेहतर सैलरी में रोजगार हासिल कर सकते हैं. इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे यूनिसेफ, यूएनएचसीआर जैसे नामचीन संगठनों में भी काफी अवसर उपलब्ध है.

सैलरी

सोशल वर्क से शिक्षित कैंडिडेट्स को उसकी योग्यता के अनुसार सात हजार से लेकर पैंतीस हजार तक का वेतन आसानी से मिल जाता है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनका वेतन कई गुना अधिक हो सकता है.

संस्थान

दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली,
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
काशी विद्यापीठ, वाराणसी
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय,
तिरुपति मंगलौर यूनिवर्सिटी, मंगलौर

करियर के रूप में मानवाधिकार क्षेत्र में बेहतर मौके

मानवाधिकार क्षेत्र अपने विकास के चरम पर है. इस क्षेत्र को आज भी समाज सेवा से जोड़कर देखा जाता है. पर अब यह महज समाज सेवा नहीं रह गया है बल्कि एक करियर के रूप में उभरकर सामने आया है. शिक्षित युवाओं के अलावा दूसरे कई और प्रोफेशनल्स के लिए भी इस क्षेत्र में कई अवसर उपलब्ध हैं. क्या है मानवाधिकार- ह्यूमन राइट्स यानी मानव अधिकार मनुष्य के अस्तित्व से जुड़ा अभिन्न अंग है. ऐसा माना जाता है कि जन्म के साथ ही हमें प्रकृति द्वारा कुछ अधिकार स्वयं मिल जाते हैं जिन्हें हमसे कोई नहीं छीन सकता. हमारे इन मानवाधिकारों में प्रमुख है- सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार, स्वतंत्रता और समानता के साथ सामाजिक न्याय के अधिकार. हमारे विकास के साथ-साथ मानवाधिकारों का भी विकास होता गया है. मानवाधिकार की जानकारी न सिर्फ आपको अपना हक दिलाती है बल्कि अच्छा रोजगार भी दिला सकती है. पिछले दो दशकों में मानवाधिकार क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है. जहां एक ओर लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुए हैं, वहीं रोजगार क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है. इसे एक नई विधा के रूप में काफी अहमियत भी मिली है.

कार्य का स्वरूप- मानवाधिकार क्षेत्र में प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार की अच्छी संभावनाएं है. इस क्षेत्र में बेशक बहुत-सी संभावनाएं हैं, पर मुश्किलें भी कम नहीं हैं. मानवाधिकारों के उल्लंघन से बचाव और इससे जुड़े अपराधों की हर तरह की रोकथाम के लिए रिसर्च, मानवाधिकारों के विकास पर निगरानी रखना, साइट पर जाकर मामले की जांच-पड़ताल करना, केस स्टडीज लिखना और रिपोर्ट्स तैयार करना, मानवाधिकारों की वकालत करना, पीड़ितों के लिए मुकदमा लड़ना और मानवाधिकारों का प्रचार-प्रसार करना आदि कार्य इस क्षेत्र में करने पड़ते हैं.

कहां है **नौकरी**- इस क्षेत्र में आप बतौर ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट, ह्यूमन राइट्स डिफेंडर, ह्यूमन राइट्स एनालिस्ट ह्यूमन राइट्स प्रोफेशनल, ह्यूमन राइट्स रिसर्चर, ह्यूमन राइट्स टीचर, ह्यूमन राइट्स वर्कर, ह्यूमन राइट्स कंसल्टेंट, ह्यूमन राइट्स कैम्पेनर, ह्यूमन राइट्स फंडरेजर, ह्यूमन राइट्स मैनेजर आदि का काम कर सकते हैं. इन सबमें से फिलहाल लोगों को एक्टिविस्ट और रिसर्चर के बारे में ही जानकारी है.

रोजगार- खासकर, युवाओं के लिए इस क्षेत्र में कई अच्छे अवसर उपलब्ध हैं. मानवाधिकार में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करके आप इस क्षेत्र में अच्छा करियर बना सकते हैं. आज देश-विदेश में कई सरकारी-गैरसरकारी, समाजसेवी और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस क्षेत्र में आगे आकर काम कर रही हैं. आप चाहें तो सरकारी संस्थानों जैसे नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन, स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन, ह्यूमन राइट्स टाइब्यूनल्स आदि से जुड़कर आप अपने करियर को एक नया मुकाम देने के साथ-साथ लोगों की मदद भी कर सकते हैं. **शैक्षिक योग्यता और प्रवेश**- मानवाधिकार में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करके आप इस क्षेत्र में अच्छा करियर बना सकते हैं. आजकल यूनिवर्सिटी, कॉलेज और इंस्टीट्यूट्स ह्यूमन राइट्स में तीन साल का डिग्री कोर्स कंडक्ट करते हैं जो 12वीं के बाद किया जा सकता है. इसके अलावा, ज्यादातर यूनिवर्सिटीज में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेस और डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनके लिए आपका किसी भी क्षेत्र में ग्रेजुएट होना जरूरी है.

गुण- शैक्षिक योग्यता के अलावा ऐसी कई गुण हैं, जो इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं. ये योग्यताएं हैं बेहतर लेखन क्षमता, कानून की अच्छी समझ, मैनेजमेंट की जानकारी, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स, रिसर्च स्किल्स, इंटरव्यू स्किल्स, डॉक्युमेंटेशन स्किल्स, टीमवर्क स्किल्स, नेटवर्किंग स्किल्स, रिपोर्टिंग स्किल्स, फंडरेजिंग स्किल्स, क्राइसिस रिस्पॉन्स स्किल्स आदि. अगर आपको लगता है कि ये सारी स्किल्स आपमें हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बिल्कुल उपयुक्त है.

पाठ्यक्रम- ज्यादातर विश्वविद्यालय मास्टर या स्नातकोत्तर कार्यक्रम में मानवाधिकार को मुख्य विषय के रूप में रखते हैं. कुछ विश्वविद्यालय, संस्थाएं एवं कॉलेज डिप्लोमा और प्रमाणपत्र भी चलाते हैं. इन पाठयक्रमों में प्रवेश पात्रता सामान्यत- किसी विषय में स्नातक डिग्री होती है. प्रमुख संस्थान- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन राइट्स, दिल्ली मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर डॉ. बीआर आम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ भारतीय मानवाधिकार संस्थान, नई दिल्ली भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली

वेतन- इस फील्ड में वेतन इस पर निर्भर है कि आप सरकारी, गैरसरकारी, समाजसेवी, अंतरराष्ट्रीय संस्था, कॉरपोरेट हाउस में हैं और भारत में हैं या विदेश में. इसके अलावा, आपकी जॉब परमानेंट, टेंपररी, एड-हॉक या असाइनमेंट बेस है, इस पर भी निर्भर करती है.

आकर्षक फील्ड है फार्मा मार्केटिंग

फार्मा मैनेजमेंट एवं फार्मा मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने वालों को मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की सम्यक जानकारी होना जरूरी है. इसमें अतिरिक्त दवा की मार्केटिंग में सीधे-सीधे उपभोक्ताओं से संपर्क न करके डॉक्टरों को संतुष्ट किया जाता है क्योंकि डॉक्टरों की सलाह पर ही उपभोक्ता दवा खरीदते हैं.

दवा के क्षेत्र में मार्केटिंग और मैनेजमेंट में करियर बनाना है तो जरूरी है चिकित्सा क्षेत्र की उम्दा जानकारी होना और उससे भी अहम है मैनेजमेंट, चिकित्सा और दवा, तीनों की पर्याप्त जानकारी होना. चिकित्सा क्षेत्र में ऐसे कार्यों को अंजाम दिया जा सके, इसी के मद्देनजर कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में फार्मा मैनेजमेंट एवं फार्मा मार्केटिंग पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं. भले ही अध्ययन का यह क्षेत्र बिल्कुल नया है लेकिन इसमें रोजगार की संभावनाओं की कोई कमी नहीं है. इस क्षेत्र में काम करने वालों को मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की सम्यक जानकारी होना जरूरी है. इसमें अतिरिक्त दवा की मार्केटिंग में सीधे-सीधे उपभोक्ताओं से संपर्क न करके डॉक्टरों को संतुष्ट किया जाता है क्योंकि डॉक्टरों की सलाह पर ही उपभोक्ता दवा खरीदते हैं. इस काम को अंजाम देने के लिए आप में कम्युनिकेशन स्किल्स होना जरूरी है. साथ ही, दवाइयों के इस्तेमाल से जुड़े विपरीत असर को पहचानना और उसकी पुष्टि कर असर को मापना होता है, ताकि दवाइयों को ज्यादा सुरक्षित और उपयोगी बनाया जा सके.

योग्यता/पाठ्यक्रम

देश के कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं. कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए और बीबीए कोर्स शुरू हो गए हैं. इसके साथ-साथ स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन फार्मास्यूटिकल एवं हेल्थकेयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग कोर्स भी उपलब्ध हैं. डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि छह माह है. इनमें प्रवेश के लिए अनिवार्य योग्यता 12वीं (विज्ञान) उत्तीर्ण होना जरूरी है. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक साल है. इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को न्यूनतम योग्यता बीएससी के साथ ही बी फार्मा है. 12वीं (गणित और जीव विज्ञान) के बाद फार्मा बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है. यह तीन वर्षीय स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम है.

अवसर

आईईसी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. नवीन गुप्ता के मुताबिक, एमबीए पाठ्यक्रम के बाद छात्रों को एरिया मैनेजर, सर्किल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, क्वालिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में बहाली हो सकती है. बीबीए इन फार्मा तथा डिप्लोमा कोर्स के बाद मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एक्जीक्यूटिव, मेडिकल रिप्रजेंटेटिव, बिजनेस एक्जीक्यूटिव आदि के रूप में नियुक्ति होती है. इस क्षेत्र में रोजगार प्रदान करने वाली कई प्रमुख कंपनियां हैं- रैनबैक्सी, ग्लेक्सो, सन फार्मा, फाइजर, सिप्ला, निकोलस पिरामल आदि. ये कंपनियां बड़ी संख्या में रोजगार देती हैं. वैसे भी रोजगार मुहैया कराने में फार्मा सेक्टर बहुत आगे है.

आमदनी का स्रोत

सामान्य तौर पर शुरुआती वेतन 10 से 30 हजार रुपए तक है. लेकिन तजुर्बे के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहा है. मैनेजमेंट, चिकित्सा और दवा की बेहतर जानकारी है तो वारे-न्यारे. कुछ साल का अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से हासिल की जा सकती है. हिन्दुस्तान से बाहर भारतीय कर्मियों की खूब डिमांड है. वहां बेहतर पैकेज मिल जाता है. अगर आपने किसी फार्मास्युटिकल कंपनी में दो या तीन साल का अनुभव हासिल कर लिया है तो वेतन कई लाख भी मिल सकता है!

प्रमुख संस्थान

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च, नई दिल्ली
इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे
आईईसी यूनिवर्सिटी, बद्दी, हिमाचल प्रदेश
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन, मोहाली, चंडीगढ़

भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी आसान नहीं

नई दिल्ली। भारत साल 2036 में ओलंपिक मेजबानी करना चाहता है पर ये इतना आसान नहीं है। ओलंपिक में दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेते हैं। ऐसे में इसके आयोजन और इंतजामों पर हजारों करोड़ रुपये का खर्च आता है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की देखरेख में एक कमेटी ओलंपिक आयोजन के सपने को पूरा करने की तैयारियां कर रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो भारत 2036 ओलंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश करेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस ओलंपिक 2024 की मेजबानी पर 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपये) का खर्च आने की उम्मीद है। ऐसे में छोटे

देशों के लिए इसकी मेजबानी करना संभव नहीं होता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अनुसार, खेलों की मेजबानी से अधिक नौकरियां पैदा होती हैं। मेजबान देश में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और शहर को आर्थिक लाभ मिलता है। कम से कम 1960 के बाद से हर ओलंपिक मेजबान ने योजना से ज़्यादा खर्च किया है। हर ओलंपिक खेलों का कैलेंडर लगभग सात साल पहले तय किया जाता है, चाहे उस समय की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हालांकि, कुल खर्च और कमाई के बारे में पारदर्शिता बहुत कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन ओलंपिक 2012 पर 16.8 बिलियन डॉलर (89,000 करोड़), रियो ओलंपिक 2016 पर 23.6 बिलियन डॉलर (1.55 लाख करोड़) और टोक्यो ओलंपिक 2020 पर 13.7 बिलियन डॉलर (1.04 लाख करोड़ रुपये) खर्च हुए थे। इन आंकड़ों को देखकर ये साफ है कि जिस देश को भी ओलंपिक की मेजबानी करनी होगी उसे एक मोटी रकम खर्च करनी होगी। इसलिए भारत को मेजबानी करनी है, तो एक मोटी रकम जोड़नी होगी। सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए भारत ओलंपिक की मेजबानी के लिए एक मजबूत दावेदार है। लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी और एक मजबूत रणनीति तैयार करनी होगी।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सात करोड़ डॉलर का बजट मंजूर किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए बजट की घोषणा कर दी है। आईसीसी की कोलंबो में जो सालाना बैठक के बाद ये घोषण की गयी है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए करीब सात करोड़ डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की वित्त और वाणिज्य कमेटी ने इस बजट को मंजूरी दी। इसमें अनुमानित बजट करीब सात करोड़ डॉलर का है और केवल 45 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च के लिए आवंटित किए गए हैं। वहीं कुल बजट और अतिरिक्त खर्च रकम को लेकर आईसीसी की पिछली बैठक में ये अटकलें लगायी जा रहीं थी कि अगर भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं आती है तो बैकअप कोष रखा जाएगा। इसके लिए 45 लाख डॉलर काफी कम बताये जा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अपने कार्यालय और साथी सहकर्मियों को सलाह दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के अपनी टीम भेजने को लेकर कोई भी बयान नहीं दें। पीसीबी प्रमुख ने इस मुद्दे पर खुद और अन्य अधिकारियों के लिए एक नीति अपनाई है कि इस पर टिप्पणी नहीं की जाए और आईसीसी को ही इसे संभालने दिया जाए। इसलिए ही हाल के दिनों में नकवी या किसी अन्य बोर्ड अधिकारी की ओर से इस बारे में कोई टिप्पणी या बयान नहीं आया है कि अगर भारत अपनी टीम पाक नहीं भेजता है तो क्या होगा। भारतीय क्रिकेट टीम ने अंतिम बार साल 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था।

उथप्पा बोले, सचिन तेंदुलकर और सौरव जैसी सफल रहेगी शुभमन और यशस्वी की जोड़ी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर रोबिन उथप्पा ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ जिस प्रकार टी20 सीरीज में शुभमन और यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए जमकर रन बनाये। उससे ये लगने लगा है कि ये जोड़ी भी आने वाले समय में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसी जोड़ी की तरह ही सफलताएं हासिल करेगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 से संन्यास लेने के बाद माना जा रहा है कि रोहित और विराट का विकल्प भी ये दोनो ही बनेंगे। इस जोड़ी ने टी20 सीरीज में पहले छह ओवरों में 74 रन बनाए और टीम के लिए जबरदस्त आधार तैयार किया। इससे पहले इस जोड़ी ने जिम्बाब्वे में भी काफी अच्छा

प्रदर्शन किया था। तब शुभमन ने टीम की कप्तानी भी की थी। उथप्पा ने कहा कि शुभमन और जायसवाल की केमिस्ट्री और खेलने की शैली को देखकर ही उन्हें गांगुली और तेंदुलकर की जोड़ी की याद आ जाती है। इस जोड़ी ने 136 पारियों में 49.32 की औसत 6609 रन बनाए। उन्होंने 21 शतकीय साझेदारियां और 23 अर्धशतकीय साझेदारियां कीं, जिसने क्रिकेट में शुरुआती जोड़ियों के लिए एक उच्च मानक स्थापित हुआ। उथप्पा ने कहा कि जिस तरह से शुभमन और यशस्वी मैदान पर खेलते हुए दिखते हैं उससे सचिन-गांगुली की यादें ताजा हो गई हैं।

पेरिस ओलंपिक : अंकिता और धीरज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस। भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोमादेवरा की जोड़ी यहां पेरिस ओलंपिक की मिश्रित स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। अंकिता और धीरज की जोड़ी ने इस मुकाबले में 5-1 से इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया। अंकिता और धीरज की भारतीय जोड़ी ने इस मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट 37-36 से जीता और 2 अंक लेकर शुरुआत की। वहीं दूसरे सेट में मुकाबला कठिन रहा और इंडोनेशियाई जोड़ी ने 38-38 स्कोर के साथ बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी को यहां 1 अंक मिला और उसका स्कोर तीन हो गया। इसके बाद अगले दौर में अंकिता और धीरज ने 38-37 से जीत हासिल करते हुए 2 अहम अंक हासिल कर अंतिम आठ में जगह बनायी।

हार से सिंधु का लगातार तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ओलंपिक में तीसरी बार पदक जीतने का रिकार्ड बनाने में असफल रही हैं। सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें चीन की हे बिंग जियाओ के हाथों दो गेमों में 21-19 और 21-14 से लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ये पहली बार बार है जब सिंधु ओलंपिक से खाली हाथ वापस लौट रही हैं। इससे पहले उन्होंने दो ओलंपिक खेले थे और दोनों में ही पदक जीते थे। सिंधु अगर पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो वह ओलंपिक के इतिहास में लगातार तीन पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी जाती पर हार के साथ ही उनका ये सपना टूट गया। सिंधु ने ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016

में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था। सिंधु और बिंग जियाओ के खिलाफ मुकाबला तकरीबन एक घंटे तक चला। मुकाबले में सिंधु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्हें कुछ गलतियां की वहीं जियाओ ने कुछ सटीक स्मैश लगाए जिससे चीन की खिलाड़ी 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। सिंधु को कोर्ट पर मूवमेंट में दिक्कत हो रही थी और उन्होंने कुछ शॉट बाहर मारकर चीन की खिलाड़ी को 7-2 की बढ़त बनाने का मौका दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ अच्छे अंक जुटाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन जियाओ ब्रेक तक 11-8 से आगे रहीं। सिंधु ने चीन की खिलाड़ी पर दबाव बनाया। तीन बेहद करीबी अंक मिलने से सिंधु 12-12 पर बराबरी हासिल करने में सफल रहीं। बिंग जियाओ ने सिंधु के शरीर पर स्मैश के साथ 19-17 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 19-19 किया। चीन की खिलाड़ी ने लाइन पर शॉट मारकर एक गेम अंक हासिल किया और फिर लंबी रैली के बाद क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ पहला गेम 30 मिनट में 21-19 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी बिंग जियाओ ने अपने स्मैश से सिंधु को परेशान किया और लगातार छह अंक के साथ 8-2 की बढ़त बनाकर मुकाबला जीत लिया।

व्यापार

भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन को लॉन्च कर दिया गया है। इस डिवाइस में रियर कैमरा में लेइका सुमिलक्स लेंस दिया गया है। इसमें प्रीमियम वीदन लेदर फिनिश के साथ स्पेशल डुअल-टोन डिजाइन दिया गया है। साथ ही यहां नेक्स्ट-जेन क्वॉड कर्व्ड डिस्प्ले भी दिया गया है। शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन की कीमत 48,999 रुपये रखी गई है। इसे सिंगल 12जीबी+512जीबी वेरिएंट में उतारा गया है। इस डिवाइस को ग्राहक फ्लिपकार्ट और शाओमी पार्टनर ऑफलाइन स्टोर्स से खरीद सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर ईएमआई और नॉन-ईएमआई दोनों तरह के ट्रांजैक्शन पर 3,000 रुपये की अतिरिक्त छूट दी जा रही है। ग्राहकों को 9 महीने तक के लिए नो-कॉस्टईएमआई पेमेंट ऑप्शन भी दिया जा रहा है। हालांकि, ये ऑप्शन चुनिंदा बैंक के क्रेडिट कार्ड पर दिया जा रहा है। शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन में डुअल-टोन फिनिश है, जिसमें वीगन लेदर और मिरर ग्लास फिनिश है। ये पांडा डिज़ाइन थीम से इंस्पायर्ड है और एक्वा ब्लू, पांडा व्हाइट और हॉट पिंक कलर्स में आता है। सभी वेरिएंट में ब्लैक कलर का ग्लास है, जिसके चलते बैक पैनल पर प्रीमियम टू-कंट्रास्ट कलर मिलता

है। ये फोन स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर के लैस है। ये सीआईवीआई लाइनअप के समान सिनेमैटिक विज़न डीएनए को फॉलो करता है, जिसमें शाओमी और लेइका द्वारा को-डेवलप्ड सुमीलक्स लेंस पावर्ड ट्रिपल रियर कैमरे हैं। शाओमी 14सीआईवीआई पंडा एडीशन में 50 एमपीएफ/1.6 प्राइमरी कैमरा, 20 एमपीएफ/2.0 टेलीफोटो लेंस और 12एमपीएफ/2.2 अल्ट्रावाइड लेंस है। ये डुअल-फ्रंट कैमरा वाले सबसे रेयर स्मार्टफोन्स में से एक है, जिसमें 32एमपीएफ/2.0 प्राइमरी और 32एमपीएफ /2.4 अल्ट्रावाइड लेंस शामिल हैं। रियर और फ्रंट दोनों कैमरे 4के रिजॉल्यूशन में वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट करते हैं। इसकी बैटरी 4700 एमएएच की है और यहां 67वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है।शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन के स्पेसिफिकेशन रेगुलर वेरिएंट जैसे ही हैं। डिवाइस में 1.5के रेजोल्यूशन और 120एचज़ेड रिफ्रेश रेट वाली 6.55-इंच क्वाड-कर्व्ड अमोलेड स्क्रीन है।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार जुलाई में हुई धीमी

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। दरअसल नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसका कारण रही। दूसरी ओर लागत दबाव और मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में इसकी जानकारी दी गई। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार दिखाता है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के

कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।'' भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया।

पीएनबी से लोन लेना हुआ महंगा, बैंक ने ब्याजदरों में किया इजाफा

नई दिल्ली। पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सभी अवधि के लिए सीमांत निधि लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) में 0.05 प्रतिशत या पांच आधार अंकों की गुरुवार को वृद्धि की, जिससे अधिकतर कंज्यूमर लोन महंगे हुए। पीएनबी ने बताया कि एक साल की अवधि के लिए मानक एमसीएलआर अब 8.90 प्रतिशत होगी, जो पहले 8.85 प्रतिशत थी। इसका इस्तेमाल मोटर वाहन तथा व्यक्तिगत जैसे अधिकतर उपभोक्ता ऋणों के मूल्यांकन में होता है। तीन वर्ष की एमसीएलआर पांच आधार अंक बढ़कर 9.20 प्रतिशत हो गई है। अन्य के अलावा एक माह, तीन माह और छह माह की अवधि के लिए ब्याज दर

8.35-8.55 प्रतिशत के दायरे में होगी। एक दिवसीय अवधि के लिए एमसीएलआर 8.25 प्रतिशत के स्थान पर 8.30 प्रतिशत होगी। नई दरें एक अगस्त 2024 से प्रभावी हो गईं। बैंक ऑफ इंडिया ने भी एक वर्ष की अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 8.95 प्रतिशत करने की बुधवार को घोषणा की थी। हालांकि, शेष अवधि के लिए दरें यथावत हैं।

सरकार बंद कर सकती है सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बजट में सोने पर सीमा शुल्क में कमी की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे खरीदारों और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। वहीं केंद्र सरकार अब सितंबर माह में सॉवरेन गोल्ड बांड योजना को बंद करने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि कस्टम ड्यूटी में कमी करने के बाद सोने की कीमतों में कमी ने एसजीबी, फिजिकल गोल्ड और गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड समेत सोने के सभी निवेशों पर रिटर्न को प्रभावित किया है, जिसकी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर अब लगभग 10-11 प्रतिशत होने की उम्मीद है। एक विश्लेषक

के अनुसार अगर शुल्क में कटौती नहीं होती तो यह 6 से 7 प्रतिशत अधिक हो सकता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसजीबी के जरिए राजकोषीय घाटे को वित्तपोषित करने की लागत काफी अधिक है और यह योजना से निवेशकों को मिलने वाले फायदे के अनुरूप नहीं है। इस असमानता के कारण सरकार अगले महीने होने वाली बैठक में इस योजना को बंद करने का निर्णय ले सकती है।

कभी बेशुमार दौलात, आज बिकने को तैयार किशोर बियानी की कंपनी

मुंबई। पहले किशोर बियानी ने मुंबई के मॉल को बेचा था, लेकिन अब कंपनी बंद होने जा रही है। दरअसल नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई शाखा ने फ्यूचर रिटेल को परिसमापन के लिए स्वीकार कर लिया है। भारी कर्ज में डूबे फ्यूचर ग्रुप के चेयरमैन किशोर बियानी की आर्थकि हालात खराब है। कभी बियानी के पास बेशुमार दौलत थी, लेकिन अब हालत ऐसी है कि कंपनी बिकने जा रही है। परिसमापन एक दिवालियापन प्रक्रिया है, जिसका उपयोग किसी सीमित कंपनी को बंद करने के लिए होता है। यह प्रक्रिया तब शुरू होती है, जब कंपनी के फिर से खड़े होने की संभावना नहीं दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, संजय गुप्ता को कंपनी का परिसमापक नियुक्त किया गया है। एनसीएलटी

ने कंपनी के समाधान पेशेवर विजयकुमार वी अय्यर के आवेदन को स्वीकार किया है। पीठ ने पाया कि कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) की अधिकतम अवधि समाप्त हो चुकी है और अभी तक लेनदारों की समिति (सीओसी) द्वारा कोई समाधान योजना स्वीकृत नहीं की गई है। खुदरा विक्रेता पर 28,452 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां हैं, जिनमें वित्तीय लेनदारों का 14,422 करोड़ रुपये का दावा भी शामिल है। एनसीएलटी ने आदेश में कहा कि हमारा मानना है कि यह परिसमापन के लिए उपयुक्त है, लेकिन कॉरपोरेट देनदार को एक चालू व्यवसाय के रूप में बेचने का प्रयास करना चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर बैड न्यूज हुई सुस्त

12वें दिन का कलेक्शन जान लगेगा झटका

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की तिकड़ी वाली फिल्म 'बैड न्यूज ने रिलीज से पहले ही काफी माहौल बना लिया था. फिल्म के 'तौबा-तौबा गाने 'जानम सॉन्ग ने भी 'बैड न्यूज के लिए फैंस की एक्साइटमेंट को बढा दिया था. वहीं फिल्म जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो इसे दर्शकों और क्रिटिक्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला. इसके बाद से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आई. चलिए यहां जानते हैं 'बैड न्यूज ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया? 'बैड न्यूज की शुरुआत अच्छी हुई थी. अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. 'बैड न्यूज ने दूसरे वीकेंड पर भी अच्छा कारोबार किया लेकिन दूसरे मंडे से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ गई है. वहीं 'बैड न्यूज की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 8.3 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कारोबार 42.85 करोड़ रहा. वहीं दूसरे हफ्ते के दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 2.15 करोड़ और दूसरे शनिवार को 3.25 करोड़ कमाए. सेकंड संडे फिल्म ने 3.75 करोड़ और सेकंड मंडे 98 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 12वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बैड न्यूज ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.40 की कमाई की है. इसी के साथ 'बैड न्यूज का 12 दिनों का कुल कलेक्शन अब 54.60 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं 'डेडपूल एंड वुल्वरीन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है फिल्म ने रिलीज के चार दिनो में 70 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं. वहीं 'बैड न्यूज 12 दिनों में 55 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है. फिल्म की कमाई की रफ्तार सुस्त पड़ गई है.

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं, छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा। सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा: जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए। उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था। उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा। उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था। सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था। छठी मैया की बिटिया में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं। इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं। छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होता है। बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल सपना बाबुल का... बिदाई से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर-घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में मोना के किरदार में नजर आईं। उन्होंने इस शो में प्रियल गोर की जगह ली। वह कलर्स पर प्रसारित होने वाले ससुराल सिमर का को लेकर भी सुर्खियों में रही। इसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन का रोल निभाया। इसके अलावा, वह भाग्यलक्ष्मी में पवित्रा और सौभाग्यलक्ष्मी में कुहू के किरदार में दिखीं। कवच, संतोषी मां और शक्ति: अस्तित्व के एहसास की जैसे कई टीवी शोज में वह नजर आईं। वह कई अन्य किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं - जैसे दिल बोले ओबेरॉय में मोहिनी का किरदार और जाना न दिल से दूर में कंगना का किरदार काफी मशहूर हुआ। वह टीवी के सबसे विवादित शो बिग बॉस 4 की हिस्सा भी रहीं और घर में ही अपने ब्वॉयफ्रेंड अली मर्चेंट से शादी की। घर से बाहर आकर दोनों के बीच मनमुटाव शुरू हो गया और दो महीने के अंदर यह शादी टूट गई।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी

फिल्म बिन्नी एंड फैमिली का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है। बिन्नी एंड फैमिली का फर्स्ट लुक पोस्टर बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब की। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में। बिन्नी एंड फैमिली एक आम परिवार के जरिए पीढ़ियों के रिश्तों को दर्शाने वाली है। यह फिल्म कुछ खट्टी मीठी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। अंजिनी धवन के अलावा फिल्म में दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और अन्य कलाकार भी हैं। अंजिनी धवन, अभिनेता अनिल धवन की पोती और सिद्धार्थ धवन की बेटी हैं। वे बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ दोस्ती का प्यारा रिश्ता साझा करती हैं।

कियारा आडवाणी के बर्थडे पर गेम चेंजर से तोहफा

नए पोस्टर संग एक्ट्रेस के किरदार के नाम से उठा पर्दा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी 33वीं जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस को हर जगह से जन्मदिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं. इस बीच उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर के मेकर्स ने उन्हें खास अंदाज से जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है. साथ ही फिल्म में कियारा के किरदार के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट दिया है. एक्ट्रेस के बर्थडे पर मेकर्स ने एक स्पेशल नया पोस्टर साझा किया है और फिल्म से उनके किरदार का नाम का खुलासा किया है. गेम चेंजर के मेकर्स ने एक और नया पोस्टर जारी करके फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस उत्साह दोगुना कर दिया है. फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी भी हैं. चूंकि आज, एक्ट्रेस का 33वां जन्मदिन है. इस खास मौके पर मेकर्स ने

फिल्म से उनके किरदार के नाम का खुलासा करके उन्हें और उनके फैंस को तोहफा दिया है. मेकर्स ने फिल्म से कियारा का नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, टीम गेम चेंजर की ओर से हमारी जाबिलम्मा उर्फ कियारा आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. उनकी वाइब्रेंट एनर्जी जल्द ही आपके दिलों को मोह लेगी. गेम चेंजर एक आगामी राजनीतिक थ्रिलर प्रोजेक्ट है. फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एस शंकर ने किया है. इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं. राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा फिल्म में अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, सुनील और समुथिरकानी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में हैं.

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी

दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यून: प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है। एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं। टीजर में तब्बू को सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में महज पल भर के लिए दिखाया गया है, लेकिन यह अभिनेत्री के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है। इस टीजर में उन्हें काले कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है। हालांकि, टीजर में वह कोई भी संवाद बोलती नजर नहीं आई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में तब्बू का किरदार बुद्धमान, मजबूत और आकर्षक होगा। यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के लिखे उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। तब्बू और एमिली के अलावा, इसमें ओलिविया विलियम्स, जोहदी मे, ट्रैविस फिमेल, सारा-सोफी बोस्निना, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, एओइफ हिंड्स, शालोम ब्रून-फ्रैंकलिन और क्रिस मेसन भी हैं। शो के निर्माता इसे नवंबर में रिलीज करने की तैयारी में हैं।

बॉक्स ऑफिस पर एक महीने बाद भी कल्कि की पकड़ मजबूत, 34वें दिन भी किया शानदार कलेक्शन

साइंस-फिक्शन ब्लॉकबस्टर 'कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है. फिल्म को रिलीज हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है लेकिन इसका क्रेज अब भी कम नहीं हो रहा है. ये फिल्म महीने भर बाद भी कई लेटेस्ट रिलीज मूवीज से ज्यादा कारोबार कर रही है. ऐसा लग रहा है कि 'कल्कि 2898 एडी कमाई के सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी. चलिए यहां जानते हैं प्रभास स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? नाग अश्विन द्वारा निर्देशित 'कल्कि 2898 एडी 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये साइंस फाई अपनी दमदार कहानी, जबरदस्त सिनेमैटोग्राफी और रौंगटे खड़े कर देने वाले वीएफएक्स से ये फिल्म रिलीज के एक महीने बाद भी दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में

कामयाब हो रही है और इसी के साथ 'कल्कि 2898 एडी दबाकर नोट भी छाप रही है. फिल्म पांचवे हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस से हटने को तैयार नहीं है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 95.3 करोड़ से खाता खोलने वाली 'कल्कि 2898 एडी ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़, दूसरे हफ्ते में 128.5 करोड़, तीसरे हफ्ते में 56.1 करोड़ और चौथे हफ्ते में 24.4 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब पांचवें हफ्ते के पांचवे फ्राइडे फिल्म की कमाई 1.25 करोड़, पांचवें शनिवार 2.9 करोड़ , पांचवें रविवार 4 करोड़ और पांचवें सोमवार 1.05 करोड़ रही. अब फिल्म की रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबित 'कल्कि 2898 एडी ने पांचवें मंगलवार यानी 34वें दिन 1 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ 'कल्कि 2898 एडी का 34 दिनों का कुल कलेक्शन अब 634.05 करोड़ रुपये हो गया है. 'कल्कि 2898 एडी पांचवें हफ्ते में भी कमाल कर रही है. ये फिल्म हाल ही में रिलीज हुई विक्की कौशल स्टारर बैड न्यूज से ज्यादा कमाई कर रही है. इतना ही नहीं भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही 'डेडपूल एंड वुल्वरीन के आगे भी 'कल्कि 2898 एडी घुटने टेकने को तैयार नहीं है. फिल्म एक महीने बाद भी हर दिन एक करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर रही है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए लग रहा है कि ये फिलहाल रुकने वाली नहीं है. वैसे भी 'कल्कि 2898 एडी का टारगेट शाहरुख खान की जवान के भारतीय लाइफ टाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड ब्रेक करना है. अब देखने वाली बात होगी कि कल्कि इस उपलब्धि को कब हासिल करती है.

बॉडीकॉन ड्रेस पहने शमा सिकंदर ने खींचा फैंस का ध्यान

एक्ट्रेस की अदाओं को यूजर्स हुए घायल

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में उन्होंने अपना लेटेस्ट हॉट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका एलिगेंट और ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही टीवी में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफों के पुल बांधते रहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शमा सिकंदर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं। शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस ने कॉमेंट की बौछार कर दी है। कई सारे यूजर्स लाइक्स और रिएक्शंस देकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा तुम कितनी सुंदर लग रही हो। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट।